INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-27 | मथुरा, मंगलवार, 24 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

डाक विभाग की प्रीमियम सेवाएं शुरू, रविवार को भी घर-घर पहुंचेगा डाकिया

‘24’ और ‘48 स्पीड पोस्ट’ से बदलेगी डाक की डिलीवरी की रफ्तार

मुख्य संवाददाता

विजेंद्र

यूनिक समय, मथुरा। अब डाक भेजने का अंदाज बदलता जा रहा है। भारतीय डाक विभाग ने आम लोगों की जरूरतों को देखते हुए ‘24 स्पीड पोस्ट’ और ‘48 स्पीड पोस्ट’ जैसी दो नई प्रीमियम सेवाएं शुरू की हैं, जो डिलीवरी की रफ्तार को पहले से कहीं ज्यादा तेज और भरोसेमंद बनाएंगी। इन नई सेवाओं

के शुरू होने से खासतौर पर उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें जरूरी दस्तावेज, सरकारी कागजात या पार्सल समय पर पहुंचाना होता है। अब "लेट डिलीवरी" की चिंता काफी हद तक खत्म होती नजर आ रही है। ‘24 स्पीड पोस्ट’ सेवा इस योजना की सबसे खास कड़ी है। इसके तहत डाक को 24 घंटे के भीतर पहुंचाने

जरूरी कागजात भेजना हुआ आसान

का लक्ष्य रखा गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें रविवार और अधिकतर छुट्टियों में भी डिलीवरी होगी। हालांकि, तीन राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और गांधी जयंती (2 अक्टूबर) पर यह सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी। इस सुविधा से उन लोगों को जबरदस्त फायदा हो रहा है, जिन्हें तत्काल कोरियर जैसी डिलीवरी चाहिए, खासकर परीक्षा फॉर्म, कानूनी दस्तावेज या बिजनेस से जुड़े पार्सल भेजने में। वहीं ‘48 स्पीड पोस्ट’ सेवा में 48 घंटे के भीतर डिलीवरी पहुंचने का लक्ष्य है। लेकिन इसमें एक खास नियम रखा गया है,एक ही शहर (लोकल एरिया) के भीतर बुकिंग नहीं होगी। डाक विभाग के अनुसार, लोकल डिलीवरी पहले से ही सामान्य स्पीड पोस्ट से 1–2 दिन में हो जाती है, इसलिए इस प्रीमियम सेवा को मुख्य रूप से दूसरे शहरों या दूर के गंतव्यों के लिए तैयार किया गया है। मुख्य प्रवर अधीक्षक विजेंद्र के अनुसार, इन नई सेवाओं में डाक की प्रोसेसिंग और सॉर्टिंग की व्यवस्था सामान्य स्पीड पोस्ट जैसी ही रहेगी, उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि डाक विभाग अपनी मौजूदा प्रणाली को और बेहतर तरीके से उपयोग कर कम समय में ज्यादा कम समय में डिलीवरी पहुचाना। डाक विभाग की यह पहल डिजिटल युग में भी डाक सेवा को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

सीएमओ दफ्तर में एंटी करप्शन की बड़ी कार्रवाई

रिश्वत का ‘सर्टिफिकेट’ बनाते बाबू रंगे हाथ दबोचा,मचा हड़कम्प

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में बुधवार को एंटी करप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बाबू को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी बाबू का नाम शशिकांत वर्मा बताया जा रहा है जो कि विकलांग पटल का कार्य संभालता था। सूत्रों के अनुसार बाबू विकलांग प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर सेवा शुल्क की मांग कर रहा था और बिना रिश्वत लिए फाइल आगे बढ़ाने को तैयार नहीं था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक पीड़ित महिला ने बाबू की रिश्वतखोरी से परेशान होकर एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी। शिकायत के आधार पर टीम ने सुनियोजित रणनीति बनाकर

विकलांग प्रमाण पत्र के नाम पर हो रही थी अवैध वसूली

शिकायत पर टीम ने बिछाया जाल

जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी ने शिकायतकर्ता से तय रकम करीब दो हजार रुपये लिए मौके पर ही मौजूद टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान सीएमओ कार्यालय में हड़कंप मच गया। अचानक हुई इस छापेमारी कार्यवाही से कर्मचारियों में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। एंटी करप्शन टीम आरोपी को तत्काल हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई और आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि आरोपी लंबे समय से कार्यालय में तैनात था और फाइलों को आगे बढ़ाने के नाम पर लोगों से अवैध वसूली करता था। विकलांग प्रमाण पत्र जैसे संवेदनशील कार्य में भी रिश्वतखोरी किए जाने से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

गौरतलब है कि सीएमओ कार्यालय में इससे पहले भी रिश्वतखोरी के मामले सामने आ चुके हैं। हाल ही में चौमुहा ब्लॉक के सीएचसी से भी बीसीपीएम पद पर तैनात आरोपी अमित को भी एंटी करप्शन टीम द्वारा रंगे हाथ पकड़ने का मामला प्रकाश में आया था जिनमें कार्रवाई भी की गई थी। बावजूद इसके भ्रष्टाचार पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है। इस तरह की कार्रवाई से विभाग में पारदर्शिता बढ़ेगी और कर्मचारियों में डर का माहौल बनेगा। वहीं आम जनता को भी राहत मिलेगी और सरकारी सेवाओं में भरोसा मजबूत होगा। समाचार लिखे जाने तक मुख्य चिकित्सा अधिकारी राधा बल्लभ से संपर्क नहीं हो सका। बताया गया कि वे वृंदावन में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के कार्यक्रम में व्यस्त थे। फोन पर स्टाफ ने जानकारी दी कि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद ही उनका आधिकारिक बयान मिल सकेगा।

कार्यालय में दिखाई दिया सहमा-सहमा माहौल

छापे की कार्रवाई के दौरान सीएमओ कार्यालय का हाल।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एंटी करप्शन टीम शिकायतकर्ता के पहुंचने से पहले ही सीएमओ कार्यालय पहुंच गई थी। कुछ देर बाद शिकायतकर्ता के आने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। इसके साथ ही वहां मौजूद पत्रकारों को वीडियो बनाने से भी रोक दिया। सीएमओ कार्यालय में आम दिनों की तरह काम चल रहा था। हर कोई कार्यालय में अपने तरीके से काम कर रहा था। विकलांग प्रमाण पत्र जारी कराने वाला बाबू भी अपनी सीट पर था। कार्यालय के किसी भी कर्मचारी को इस बात का अहसास नहीं था कि कुछ ही देर में यहां कुछ बड़ा होने वाला है। पीड़िता के आने के तुरंत बाद एंटी करप्शन की टीम तेजी से हरकत में आई और विकलांग प्रमाण पत्र को बनाने के लिए दो हजार की रिश्वत

कार्यालय खुलने के बाद ही पहुंच गई थी एंटी करप्शन टीम

शिकायतकर्ता के आने के बाद एक्शन में आयी टीम, वीडियो बनाने से रोका

लेने वाले बाबू को तुरंत पकड़ लिया। इस बीच वहां मौजूद पत्रकार को वीडियो और फोटो ग्राफी करने से रोक दिया गया। इसके साथ बाबू को गाड़ी में बिठाकर एंटी करप्शन की टीम ले गई। टीम के जाते ही सीएमओ कार्यालय में सन्नाटा पसर गया। किसी से कुछ पूछो तो कोई कुछ बताने के लिए तैयार नहीं था। चारों ओर भय जैसा माहौल था।

बदलाव — सोशल मीडिया और डिजिटल कल्चर में बढ़ता नया ट्रेंड

जेन-जी में ज्योतिष बना नया फैशन ट्रेंड

यूनिक समय, मथुरा। आज की युवा पीढ़ी यानी जेन–जी के बीच ज्योतिष और राशि आधारित पहचान तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सोशल मीडिया बायो से लेकर ज्वेलरी तक, लोग अपनी राशि और ग्रह–नक्षत्रों को अपनी पर्सनैलिटी का हिस्सा बना रहे हैं।

यह सिर्फ विश्वास नहीं बल्कि एक नया स्टाइल स्टेटमेंट बन चुका है। डिजिटल विशेषज्ञों के अनुसार, लाखों वीडियो और ऑनलाइन कम्युनिटीज इस बात का प्रमाण हैं कि युवा वर्ग ज्योतिष को गंभीरता से अपना रहा है। ‘सन साइन’ और ‘मून साइन’ जैसे शब्द अब बातचीत शुरू करने का सामान्य तरीका बन चुके हैं। दुनिया के कई बड़े फैशन और ज्वेलरी ब्रांड अब राशियों और रत्नों

पर आधारित कलेक्शन लॉन्च कर रहे हैं। पेरिस से लेकर न्यूयॉर्क तक ज्योतिष आधारित डिजाइन युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डिजाइनर ब्रांड अब नक्षत्रों और नवरत्नों से प्रेरित अंगूठियां, पेंडेंट और हार बना रहे हैं। पहले जो ज्वेलरी लाखों में मिलती थी, अब उसे नई पीढ़ी के लिए किफायती कीमतों पर लॉन्च किया जा रहा है। भारत में राशि और रत्नों का जुड़ाव सदियों पुराना है। वैदिक ज्योतिष में नौ ग्रहों और नवरत्नों को विशेष महत्व दिया जाता है, जिसे अब आधुनिक फैशन में नया रूप मिल रहा है। कई मशहूर डिजाइनर और

नवरत्न और राशि ज्वेलरी का बढ़ता बाजार

ज्योतिष अब फैशन और पहचान का हिस्सा बना

ब्रांड ज्योतिष आधारित कलेक्शन को बढ़ावा दे रहे हैं। उनका मानना है कि हर व्यक्ति अपनी पहचान को प्रतीकों के जरिए व्यक्त करना चाहता है।

आज के समय में राशि और ज्योतिष केवल भविष्य बताने का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी पहचान और सोच को व्यक्त करने का एक नया तरीका बन गया है।

जिले के रिश्वतखोरों पर एंटी करप्शन की पैनी नजर

यूनिक समय, मथुरा। एंटी करप्शन की टीम कुछ ही महीनों में आधा दर्जन लोगों को रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि गिरफ्तार लोगों में से कई को कोर्ट से जमानत मिल गई है। कुछ माह पूर्व एक बैंक मैनजर सहित दो लोगों को एंटी करप्शन की टीम ने एक व्यापारी को एक करोड़ के लोन के ऐवज में दस लाख की रिश्वत मांगी थी। पुलिस ने रिश्वत लेने के दौरान दोनों को गिरफ्तार कर लिया था। इसी तरह कुछ दिन पूर्व चौमुहां में ही स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मचारी को रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद आज फिर स्वास्थ्य विभाग

जिले में अब तक कुछ माह में पकड़े गए आधा दर्जन लोग

कई को इन मामलों में मिल चुकी है कोर्ट से जमानत

सीएमओ कार्यालय में तैनात विकलांग प्रमाणपत्र बनाने के नाम पर रिश्वत लेने के मामले में इस पटल के बाबू शशिकांत वर्मा को गिरफ्तार कर लिया। इससे पूर्व 2025 में डीपीआरओ किरन चौधरी और उनके एक कर्मचारी को भी एंटी करप्शन टीम ने गिरफ्तार किया था। उनकी जमानत हो चुकी है।

कलह में किसी का फायदा नहीं होता: मोहन भागवत

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। रुक्मिणी विहार में रुड़की के संत महामंडलेश्वर यतींद्रानंद के 'जीवनदीप' आश्रम का लोकार्पण हुआ। लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए संतों के बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, यूपी के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं संघ के इंद्रेश पहुंचे। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज ऐसे आश्रमों की बहुत जरूरत है। आश्रम सिर्फ एक जगह या भवन नहीं होता, बल्कि यह विशेष व्यवस्था और मार्गदर्शन का केंद्र होता है। यह आश्रम नई दिशा देगा और आने वाले समय में शिक्षा और व्यवस्था के लिए बहुत मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि कलह में किसी का फायदा नहीं है। दुनिया ये जानती है। आपस में लड़ने वाले लोग भी ये जानते हैं। इससे केवल नुकसान ही नुकसान है, लेकिन अहंकार को पूरा करने, बदले की भावना, स्वार्थ की भावना से हारकर खुली आंखों से अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का काम दुनिया कर रही है। धर्मांतरण के मुद्दे पर संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा– जो लोग पहले हिंदू थे, अब दूसरे संप्रदायों में चले गए हैं, उन्हें वापस लाने की कोशिशें जारी हैं। अगर वो खुद ही वापस आना चाहते हैं तो हमें दरवाजे खुले रखने चाहिए। संघ प्रमुख ने हिंदुओं को तीन बच्चे पैदा करने की अपनी सलाह फिर से दोहराई। संघ प्रमुख मोहन भागवत के सामने महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी ने जनसंख्या को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत की तकनीकी क्षमता के बावजूद जनसंख्या संतुलन बिगड़ रहा है और इसे हल करने के लिए हिंदू समाज को मार्गदर्शन की आवश्यकता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संतों को 2028 में होने वाले कुंभ सिंहस्थ कुंभ मेले में आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मेले के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को पूरी तरह से पूरा किया जा रहा है।

वृंदावन में जीवन दीप आश्रम के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते आरएसएस के सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

आने वाले समय में शिक्षा और व्यवस्था के लिए मददगार साबित होगा आश्रम

बिहार के राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान ने कहा कि श्रीमदभागवत गीता में कहा गया है कि जब भक्त एकत्रित होते हैं और संतों की मौजूदगी में चिंतन करते हैं, तो वे मेरे ही चिंतन और बोध का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और परंपरा ज्ञान की संस्कृति है। ज्ञान को संरक्षित करने का श्रेय संतों को जाता है। यह आश्रम भी ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन का एक बड़ा केंद्र बनेगा। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने फरसा वाले बाबा की मौत का जिक्र किया। कहा कि एसआईटी जांच चल रही है। दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज हादसे पर कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री ने सहायता की घोषणा की है। घायलों का बेहतर इलाज कराया जाएगा। पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है। आश्रम का शिलान्यास संघ के सरकार्यवाह भैयाजी जोशी ने किया था। 24 कमरे के आश्रम में आध्यात्मिक और वैदिक शिक्षा दी जाएगी। संघ पदाधिकारी इंद्रेश कुमार ने कहा कि आश्रम व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण के लिए होते हैं। देशभर में ये आश्रम जीवन मूल्यों और नैतिक शिक्षा प्रदान करेंगे। इनका उद्देश्य है कि ऐसे आश्रम अच्छे भारतीय नागरिक तैयार करें, जिससे भारत दुनिया के सामने शांतिपूर्ण रूप में उभरे। लोकार्पण कार्यक्रम में जूना अखाड़ा के अवधेशानंद गिरी ने भी हिस्सा लिया।

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

19 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,40,150

22 कैरेट 1,33,400

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,23,950 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

छह प्रमुख परियोजनाओं को स्वीकृति

तीर्थ स्थलों का सड़क नेटवर्क होगा और बेहतर

29.25 करोड़ से बदलेगी सड़कों की तस्वीर

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक नगरी में सड़क ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जिले की प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और निर्माण के लिए 7 महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है। इन कार्यों के लिए कुल करीब 29.25 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की गई है, जिससे ब्रज क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि कुल स्वीकृत 8 कार्यों में से 6 परियोजनाएं मथुरा जनपद से संबंधित हैं। ऐसे में मथुरा को इस योजना का सबसे बड़ा लाभार्थी माना जा रहा है। इनमें जुगसना–बल्देव–बरौली कैलाश (एनएच 2 लिंक) मार्ग है। 23.55 किमी लंबी इस सड़क को 3.75 मीटर से बढ़ाकर 7 मीटर चौड़ा किया जाएगा। राधाकुंड बाईपास के मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र में जाम की समस्या कम होने की उम्मीद है। सादाबाद मार्ग से बृह्मांड घाट–गोकुल–रसखान समाधि मार्ग की सड़क को 7 मीटर से बढ़ाकर 10 मीटर किया जाएगा, जिससे गोकुल क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। एक्सप्रेस–वे से वृंदावन (पागल बाबा मंदिर) तक सर्विस रोड को फोर लेन मार्ग के दोनों ओर 7–7 मीटर चौड़ी सर्विस रोड का निर्माण प्रस्तावित है। छटीकरा–राल–राधाकुंड मार्ग को 10 मीटर चौड़ा किया जाएगा, जिससे वृंदावन–राधाकुंड संपर्क मजबूत होगा। खायरा से ब्रजवारी–नंदगांव मार्ग (0 से 5.5 किमी) को ग्रामीण और धार्मिक क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिलेगी।

तीर्थ मार्गों का होगा चौड़ीकरण कार्य

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा, वृंदावन, गोकुल, नंदगांव और राधाकुंड जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों पर सालभर लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इन सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से यात्रा अधिक सुगम, सुरक्षित और तेज होने की संभावना है। जाम और दुर्घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद भी जताई जा रही है। क्या स्वीकृति के बाद ये परियोजनाएं तय समय में धरातल पर उतरकर मथुरा को जाम और जर्जर सड़कों से स्थायी राहत दिला पाएंगी ?

विकास के साथ अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

यूनिक समय, मथुरा। बेहतर सड़क नेटवर्क से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही स्थानीय व्यापार, होटल व्यवसाय, परिवहन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की संभावना है।

मथुरा कट से टैंक चौराहे तक मार्ग की बदलेगी सूरत

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। शहर के प्रमुख मार्गों को आधुनिक और आकर्षक बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया गया है। मथुरा कट से टैंक चौराहे तक मार्ग के सौंदर्यीकरण की परियोजना को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना से शहर के प्रमुख प्रवेश मार्ग की तस्वीर बदलने की उम्मीद है। परियोजना की कुल अनुमानित लागत करीब 12 करोड़ 68 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इसके तहत प्रथम चरण में 6 करोड़ 34 लाख रुपये से अधिक की धनराशि जारी की गई है, जिससे योजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। इस परियोजना के तहत सड़क किनारे सौंदर्यीकरण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, हरित पट्टी विकसित करना और आधुनिक शहरी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इससे न केवल शहर की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि यातायात व्यवस्था भी अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित हो सकेगी। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण को इस योजना का कार्यदायी संस्थान बनाया गया है, जो

सौंदर्यीकरण परियोजना को 12.68 करोड़ रुपये की मंजूरी

शहर को मिलेगा नया रूप

गुणवत्ता, समयबद्धता और मानकों का पालन सुनिश्चित करेगा। परियोजना को निर्धारित 18 माह की अवधि में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सभी आवश्यक तकनीकी स्वीकृतियां और पर्यावरणीय अनुमति लेना अनिवार्य होगा। साथ ही दिव्यांगजन के अनुकूल सुविधाएं विकसित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

यह मार्ग मथुरा के प्रमुख यातायात मार्गों में शामिल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और श्रद्धालु आवाजाही करते हैं। इसके सौंदर्यीकरण से शहर की छवि और आकर्षण में उल्लेखनीय सुधार होगा। क्या यह परियोजना तय समय में पूरी होकर मथुरा को एक आधुनिक और व्यवस्थित शहर का स्वरूप दे पाएगी?

खास खबर

बुजुर्गों को मिल रही डिजिटल मदद और देखभाल

अकेलेपन से जूझते बुजुर्गों को मिल रहा युवाओं का सहारा

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक नगरी मथुरा में अब एक नई सामाजिक पहल तेजी से चर्चा में है। यहां बुजुर्गों के अकेलेपन को दूर करने के लिए "इंटरजेनरेशनल को-लिविंग" यानी बुजुर्गों और युवाओं के साथ रहने का चलन धीरे-धीरे बढ़ रहा है। यह मॉडल न सिर्फ सहारा दे रहा है, बल्कि दो पीढ़ियों के बीच रिश्तों की नई परिभाषा भी गढ़ रहा है।

मथुरा के कई इलाकों में ऐसे उदाहरण सामने आ रहे हैं, जहां अकेले रह रहे वरिष्ठ नागरिक अपने घर का एक हिस्सा छात्रों या नौकरीपेशा युवाओं को दे रहे हैं। बदले में युवा उनकी रोजमर्रा की जरूरतों में मदद करते हैं–जैसे मोबाइल चलाना, ऑनलाइन बिल भरना, दवा लाना या अस्पताल ले जाना। इससे बुजुर्गों को सुरक्षा और साथ मिलता है, वहीं युवाओं को कम खर्च में रहने की सुविधा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मॉडल विदेशों–खासतौर पर जापान और नीदरलैंड की तर्ज पर भारत में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, अकेलापन बुजुर्गों के लिए एक बड़ा स्वास्थ्य जोखिम है जो अवसाद और हृदय रोग जैसी समस्याओं को बढ़ा सकता है। ऐसे में युवाओं का साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रहा है। मथुरा जैसे शहर में जहां परिवारों का पारंपरिक ढांचा धीरे–धीरे बदल रहा है, यह पहल सामाजिक संतुलन बनाए रखने में मददगार बन सकती है। हालांकि, इसके साथ सतर्कता भी जरूरी है–जैसे पुलिस वेरिफिकेशन, पहचान की पुष्टि और लिखित समझौता। कुल मिलाकर मथुरा में यह नया ट्रेंड सिर्फ रहने की व्यवस्था नहीं बल्कि रिश्तों और संवेदनाओं का सुंदर संगम बनता जा रहा है।

फायदा

- बुजुर्गों का अकेलापन होता है कम
- मानसिक स्वास्थ्य रहता है बेहतर
- युवाओं को सस्ता और सुरक्षित आवास
- दोनों पीढ़ियों के बीच समझ बढ़ती है

सावधानी

- पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कराएं
- लिखित एग्रीमेंट जरूर बनाएं
- 10-15 दिन का ट्रायल रखें
- परिवार को पूरी जानकारी दें

राष्ट्रीय राजमार्ग–19 पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग–19 पर ग्राम छरौरा के समीप प्रस्तावित मार्ग किनारे सुविधा केंद्र (वे–साइड एमेनिटीज) को लेकर स्थानीय लोग काफी परेशान है। ग्रामीणों, व्यापारियों और राहगीरों का कहना है कि यदि परियोजना को वर्तमान स्वरूप में लागू किया गया, तो यह स्थान भविष्य में दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकता है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार प्रस्तावित स्थल चेनज संख्या–137 के आसपास स्थित है। इसकी दूरी निकटतम फ्लाईओवर से नजदीक है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के निर्माण में सुरक्षित प्रवेश और निकास, पर्याप्त सर्विस रोड, जल निकासी व्यवस्था और सुचारु यातायात प्रबंधन अनिवार्य होता है, लेकिन इन व्यवस्थाओं को लेकर अभी तक स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि नियमानुसार 75 मीटर तक निर्माण पर प्रतिबंध होता है, जबकि सामान्य स्थिति में भी न्यूनतम 40 मीटर की दूरी बनाए रखना जरूरी माना जाता है। ऐसे में इतने संवेदनशील स्थान पर सुविधा केंद्र बनाए जाने से जोखिम और बढ़ सकता है। यहां से छात्र–छात्राओं और हल्के वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है।

छरौरा में प्रस्तावित सुविधा केंद्र पर उठे सवाल

ऐसे में भारी वाहनों के प्रवेश और निकास से दुर्घटनाओं की आशंका और भी बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि इस परियोजना की स्वतंत्र तकनीकी जांच और सड़क सुरक्षा ऑडिट कराया जाए, जिससे कि हादसों को रोका जा सकें।

साली से शादी कराने का झांसा देकर ठगे रुपये व जेवरात

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह के गांव बेरी में रहने वाले एक पिता और बेटे को शादी का झांसा देकर बिहार ले जाने के बाद उनसे एक लाख पैंसठ हजार रुपये की नकदी और जेवरात ठग लिए गए। इसके साथ ही जहरीली दवा पिलाने का भय दिखा कर उन्हें वापस मथुरा भेज दिया। पीड़ितों ने इस मामले की शिकायत फरह पुलिस से की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना फरह को गांव बेरी निवासी थान सिंह पुत्र निबोरी का कहना है कि वह अपने परिवार के साथ अहमदाबाद, गुजरात स्थित एक ईंट भट्ठे पर ईंट

भट्ठे पर काम के दौरान बिहार से शादी कराने की बात की थी

पुलिस ने मिले प्रार्थना पत्र पर जांच की शुरू

पाथने का काम करता है। इसी भट्ठे पर अंगनपुरा थाना अछनेरा आगरा निवासी पूरन और उसका पुत्र बंटी भी काम कर रहे थे। काम करने के दौरान बंटी और उसके पिता पूरन ने उसके बेटे संजय की शादी कराने की बात कही। बंटी ने कहा कि वह भागलपुर, बिहार स्थित ससुराल में अपनी साली से उसकी शादी करा देगा। शादी कराने की कहकर बंटी ने उससे चालीस हजार रुपये नकद ले लिए। करीब 15 दिन पहले 23 मार्च को शादी कराने की बात कहकर बंटी ने तीस हजार रुपये 17 मार्च को और लिए। इसके बाद शादी का झांसा देकर कई बार मोबाइल नंबर 9523908911 में पैंतालीस हजार रुपए डलवा लिए। दोनों पिता–पुत्र शादी कराने की कहकर 18 मार्च को गांव से फीरोजाबाद ले गए। वहां उन्होंने हमे जाटव बस्ती में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार के यहां दो दिन रखा। इसके बाद फिरोजाबाद जंक्शन से 20 मार्च को ट्रेन के माध्यम से भागलपुर, बिहार ले गए। वहां पहुंचकर इन लोगों ने करीब ढाई सौ ग्राम चांदी के आभूषण और कपड़े हड़पने के बाद हमको भगा दिया। गांव नहीं लौटने पर जहरीली दवा खिलाने की धमकी भी दी। इस तरह लूट का शिकार होने के बाद दोनों बिहार से लौट आए। अपने साथ हुई इस तरह की लूट से आहत थान सिंह ने थाना फरह में पुलिस को लिखित शिकायत देते हुए कार्रवाई करने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल ने बताया कि पीड़ित का प्रार्थना पत्र मिला है। जांच के आधार पर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पार्षद और सभासदों के मनोनयन से भाजपा ने बिछाई चुनावी बिसात

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। करीब तीन वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे पार्टी कार्यकर्ताओं को नगर निकायों में मनोनीत कर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। मथुरा जिले में एक मात्र नगर निगम, एक मात्र नगर पालिका और करीब एक दर्जन नगर पंचायतों में पार्षद एवं सभासदों के मनोनयन में जिस तरह जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधा गया है, उससे साफ है कि इसके जरिए समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूले की काट तैयार की जा रही है। चुनावी तैयारियों में जुटी भाजपा और सरकार के आपसी समन्वय से तैयार की गई सूची ने लंबे समय से हताश और निराश चल रहे पार्टी कार्यकर्ताओं में नई उम्मीद जगा दी है। दरअसल, 2023 के नगर निकाय चुनाव के बाद से ही कार्यकर्ता मनोनयन कोटा भरे जाने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन विभिन्न राजनीतिक कारणों से पार्टी स्तर पर

चुनावी दृष्टि से कार्यकर्ताओं के लिए बूस्टर डोज

फैसला नहीं हो पा रहा था। नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ ही जातीय समीकरण भी साधा व संगठन को प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद शुरू की गई। इसी क्रम में 2802 कार्यकर्ताओं को पार्षद के रूप में मनोनीत कर इसकी शुरुआत कर दी गई है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती उपेक्षा और अनदेखी से आहत कार्यकर्ताओं में दोबारा उत्साह भरना थी। इसी वजह से पार्टी ने निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत में होने वाले राजनीतिक मनोनयन के जरिए कार्यकर्ताओं को चुनावी मैदान के लिए तैयार करने की रणनीति बनाई है। सरकार और संगठन के इस फैसले को चुनावी दृष्टि से कार्यकर्ताओं के लिए 'बूस्टर डोज' के रूप में देखा जा रहा है।

फरसा वाले बाबा मामले की हो रही है निष्पक्ष जांच

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। फरसा वाले बाबा (चंद्रशेखर) की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के बाद मचे बबाल और पुलिस के साथ हुई अभद्रता और पथराव आदि के मामले की निषपक्ष जांच के लिए एसएसपी ने एसआईटी का गठन करने के बाद टीमों ने उपद्रवियों की तलाश में प्रदेश से लगे हरियाणा और राजस्थान में दबिश दी जा रही है। एसएसपी श्लोक कुमार ने फरसा वाले बाबा (चंद्रशेखर) की कोसीकलां में सड़क दुर्घटना में हुई मौत के बाद उनके शव को लाकर छाता में शेरगढ़ बाइपास पर रख कर लगाए गए जाम और पथराव आदि के मामले में बाहरी लोगों द्वारा माहौल को लोगों को उकसा कर बिगाड़ा गया। इसके साथ ही पुलिस ने 19 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके साथ ही 250 से 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसके

बाहरी लोगों की गिरफ्तारी को हरियाणा और राजस्थान में दबिश

वायरल वीडियो और सीसीटीवी से की जा रही है पहचान

साथ ही विहिप के प्रदेश अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल ने भी इस मामले में घायल होने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर दोनों मामलो की जांच कराने के लिए कोसीकलां से कराए जाने के निर्देश दिए थे। पुलिस पर लगातार बढ़ने वाले साधु संतों और राजनैतिक दबाव के चलते मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की बढ़ते दबाव को देखते हुए इस मामले में एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी ने वायरल वीडियो और सीसी टीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर बाहरी राज्यों से आने वाले लोगों की पहचान करने के बाद राजस्थान, हरियाणा प्रदेशों में घटना को अंजाम देने के लिए आने वाले बाहरी लोगों की शिनाख्त कर उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमों द्वारा दबिश दी जा रही है।

दर–दर भटक रहा पीड़ित परिवार

आयुष्मान कार्ड होने के बाद भी नहीं मिला उपचार

यूनिक समय, राया (मथुरा)। क्षेत्र के ग्राम सोनई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद एक बुजुर्ग को समय पर उपचार नहीं मिल सका और परिजन आठ दिनों से दर–दर भटकने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार, गांव नगला वरी निवासी 65 वर्षीय वीरपाल को काफी समय से यूरिन में ब्लड आने की गंभीर समस्या थी। परिजन उन्हें उपचार के लिए सोनई स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. विपिन ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें आगरा के एस.एन. मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। पीड़ित के बेटे खजान सिंह ने आरोप लगाया कि एस.एन. मेडिकल कॉलेज पहुंचने के बाद उन्हें तीन दिन तक अस्पताल परिसर में ही परेशान होना पड़ा। इस दौरान उन्होंने अपनी जांचें भी कराईं, जिनका भुगतान खुद करना पड़ा। इतना ही नहीं, अन्य जांचों के नाम पर लगभग 4000 रुपये की मांग भी की गई। तीन दिन तक भटकने और उचित इलाज न मिलने से निराश होकर परिजन वापस सोनई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लौट आए। वहां पहुंचकर उन्होंने चिकित्सकों को अपनी पूरी व्यथा सुनाई और न्याय

की गुहार लगाई। इस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी ने पीड़ित के साथ हुई इस घटना से उच्चधिकारियो को अवगत कराते हुए पुनः जिला अस्पताल के लिए रेफर किया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ विपिन ने बताया पीड़ित उनसे मिला था जिसकी जाँच कराई गई थी उसके बाद उन्हें आगरा के लिए रेफर किया गया था वहाँ से लौटने और उपचार न मिलने की बात पर उन्होंने उच्चाधिकारियो को अवगत कराते उपचार के आश्वासन पर पीड़ित बुजुर्ग को पुनः जिला अस्पताल भेज उपचार का दिया है। वीरपाल के पुत्र खजान ने जिला प्रशासन से मामले की जांच कर पीड़ित को समुचित उपचार उपलब्ध कराने की मांग की है।

मूल्यांकन कार्य में लापरवाही पर सख्ती अनुपस्थित शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 18 मार्च से शुरू होकर 1 अप्रैल तक जिले के दो निर्धारित केंद्रों पर कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव के निर्देश के तहत यह मूल्यांकन कार्य राजकीय इंटर कॉलेज और किशोरी रमण इंटर कॉलेज में किया जा रहा है। नियुक्त परीक्षक मूल्यांकन केंद्रों पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इस संबंध में पहले भी 23 मार्च को संबंधित शिक्षकों को मूल्यांकन में उपस्थित होने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं, इसके बावजूद शिक्षक लापरवाही करने से पीछे नहीं रहे है। अब सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने यहां से नियुक्त परीक्षकों को तत्काल प्रभाव से मूल्यांकन केंद्रों के लिए कार्यमुक्त करें और उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। जिला विद्यालय निरीक्षक रवींद्र कुमार सिंह ने कहा कि मूल्यांकन कार्य में अनुपस्थित पाए जाने वाले शिक्षकों के खिलाफ सार्वजनिक परीक्षा के संचालन में लापरवाही करने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि हिन्दी (इंटरमीडिएट), गृह विज्ञान (इंटरमीडिएट), सामाजिक विज्ञान (हाईस्कूल) और विज्ञान (हाईस्कूल) विषय के शिक्षक अनिवार्य रूप से मूल्यांकन केंद्रों पर आने चाहिए। यदि नहीं आए तो कार्यवाही की जाएगी।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

ग्राम्य विकास अभिकरण के सेवानिवृत्त कर्मियों को मिलेगी राहत

जल्द हो सकता है ग्रेच्युटी भुगतान 1.09 करोड़ रुपये की मिली मंजूरी

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय,मथुरा/लखनऊ। मथुरा सहित प्रदेश के लंबे समय से ग्रेच्युटी भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। चालू वित्तीय वर्ष के तहत शासन स्तर पर करीब 1.09 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत किए जाने के बाद अब ग्रेच्युटी भुगतान की प्रक्रिया जल्द तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है। गौरतलब है कि विभिन्न जनपदों से प्राप्त मांग के आधार पर यह धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसे जिला ग्राम्य विकास अभिकरणों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ग्रेच्युटी भुगतान के लिए उपयोग किया जाएगा। यह राशि विशेष रूप से "ग्राम विकास के लिए विशेष कार्यक्रम" के अंतर्गत सहायता अनुदान मद में उपलब्ध कराई गई है। सूत्रों के मुताबिक, मथुरा सहित कई जिलों में सेवानिवृत्त कर्मियों का ग्रेच्युटी भुगतान लंबे समय से लंबित था, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में अब धनराशि की स्वीकृति मिलने के बाद भुगतान प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है।

हालांकि, स्वीकृत धनराशि को एकमुश्त आहरित न कर आवश्यकता के अनुसार ही खर्च किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित मद में ही किया जाए और इसके उपयोग का पूरा लेखा–जोखा समय पर उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा, यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी भी भुगतान से पहले वित्तीय नियमों और आवश्यक स्वीकृतियों का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। बची हुई धनराशि को निर्धारित लेखा शीर्ष में वापस जमा कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस स्वीकृति के बाद अब हजारों सेवानिवृत्त कर्मियों की उम्मीदें फिर से जाग उठी हैं, जो लंबे समय से अपने हक के भुगतान का इंतजार कर रहे थे। क्या अब वास्तव में सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर उनका ग्रेच्युटी भुगतान मिल पाएगा, या फिर प्रक्रिया में देरी का सिलसिला जारी रहेगा?

सड़क सुरक्षा प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजयी छात्राएं पुरस्कारों के साथ।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के राजकीय, सहायता प्राप्त, वित्तविहीन मान्यता प्राप्त, सीबीएसई व आईसीएसई बोर्ड के छात्र–छात्राओं के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता पर आधारित जिला स्तरीय भाषण, लघुनाटिका और पोस्टर प्रतियोगिताएं रमनलाल शोरावाला पब्लिक स्कूल, महोली रोड में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राजेश कुमार शर्मा, राजकीय हाईस्कूल लोहवन की प्रधानाचार्या एवं जिला नोडल अधिकारी कविता सक्सेना ने किया। छात्रों को जागरूक करते हुए नोडल अधिकारी ने कहा कि सुरक्षित यातायात केवल नियम पालन तक सीमित नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने हेलमेट, सीट बेल्ट का उपयोग, तेज गति से बचाव तथा वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने के बारे में छात्रों को जागरूक किया। भाषण वर्ग प्रतियोगिता में भारती गौड़ प्रथम, प्रियंका द्वितीय और लवली तृतीय स्थान पर रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में अनवी ने पहला, राधा ने दूसरा तथा सुहानी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लघुनाटिका वर्ग में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लोहवन ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि रमनलाल शोरावाला पब्लिक स्कूल को दूसरा और राजकीय हाई स्कूल भद्रवन को तीसरा स्थान मिला। कार्यक्रम में विनेश शर्मा, लता पांडेय, उमाशंकर गौतम, श्यामाशीश राय, तरुण कुमार शर्मा, सिमरन अरोरा आदि उपस्थित थे।

नगर निगम के तीनों कार्यालय में हुई जनसुनवाई

भूतेश्वर नगर निगम कार्यालय में जनसुनवाई करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को सुबह भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त जग प्रवेश, वृंदावन जोनल कार्यालय में सहायक अपर नगर आयुक्त सी पी पाठक तथा जनरल गंज स्थित नगर निगम मथुरा–वृंदावन कार्यालय में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने जनसुनवाई की। नगर आयुक्त ने सभी शिकायत कर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया। जनसुनवाई में भूतेश्वर जोन में दस, वृंदावन जोन में तीन तथा सिटी जोन में दो शिकायतें प्राप्त हुईं। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना सिंह चौहान, सहायक नगर अनुज कौशिक, अधिशासी अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम, अधिशासी अभियंता जल राम कैलाश आदि उपस्थित थे।

नशीले पदार्थ के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, गोवर्धन। पुलिस टीम ने युवक को नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। डीग रोड से नये ई–रिक्शा परिक्रमा मार्ग पर करीब 100 मीटर थाना गोवर्धन जनपद मथुरा से अभियुक्त रवि पुत्र गोपाल निवासी 547, गउघाट लाल दरवाजा चौक बाजार थाना गोविन्दनगर मथुरा निवासी छोटी परिक्रमा मार्ग सकीतरा तिराहा हनुमान मन्दिर के पास कस्बा व थाना गोवर्धन को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से 394 ग्राम अवैध गांजा(नशीला पदार्थ) बरामद किया गया।

न्यायालय में राम नवमी का अवकाश 27 मार्च को

यूनिक समय, मथुरा। जिला न्यायाधीश विकास कुमार ने बताया कि उच्च न्यायालय, इलाहाबाद से प्राप्त कलैण्डर 2026 के आधार पर 26 मार्च को राम नवमी का अवकाश निर्धारित किया गया था। अब यह 27 मार्च को अवकाश होगा।

सीआईआरजी–भारत लाइव स्टॉक समझौता

आधुनिक तकनीक से बदलेगा भेड़–बकरी पालन का स्वरूप

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। भेड़–बकरी पालन को वैज्ञानिक और आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम ने भारत लाइवस्टॉक एंटरप्राइज एंड इनोवेशंस प्रा. लि., ठाणे (महाराष्ट्र) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस पहल से पशुपालन क्षेत्र में नवाचार और उत्पादकता बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। संस्थान द्वारा विकसित कई उन्नत तकनीकों का इस समझौते के तहत हस्तांतरण किया गया है। इनमें पर जीवी रोगों की रोकथाम के लिए हर्बल एंटी–कॉक्सीडियल फीड फॉर्मुलेशन, लगभग 20 प्रतिशत तक आंतरिक मीथेन उत्सर्जन को कम करने वाली विशेष फीड तकनीक, तथा सीमेन डायल्यूटर आधारित उन्नत कृत्रिम गर्भाधान तकनीक प्रमुख हैं। ये तकनीकें पशुओं के स्वास्थ्य, प्रजनन क्षमता और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इसके साथ ही भारत लाइवस्टॉक द्वारा विकसित अत्याधुनिक एनिमल फेस रिकग्निशन तकनीक भी इस परियोजना का हिस्सा बनेगी। इस तकनीक के माध्यम से प्रत्येक पशु की सटीक पहचान, स्वास्थ्य की निगरानी और रियल–टाइम ट्रैकिंग संभव होगी, जिससे बड़े पैमाने पर स्मार्ट और डेटा–आधारित पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा। समझौते पर केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. मनीष कुमार चटली और भारत लाइवस्टॉक के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक शनावस कन्हिकोट ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर भारत लाइवस्टॉक के सीओओ एवं निदेशक दिलीप शेलार, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रवि रंजन तथा डॉ. के. गुरुराज शामिल थे। यह साझेदारी पशुपालकों की आय बढ़ाने, तकनीकी दक्षता सुधारने और पर्यावरणीय प्रभाव कम करने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम एवं भारत लाइवस्टॉक एंटरप्राइज एंड इनोवेशंस प्रा. लि., ठाणे (महाराष्ट्र) के साथ हुए समझौते की प्रति एक दूसरे को देते अधिकारी।

उठावनी

स्व0 मीरा देवी अग्रवाल

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी पूज्यनीय माताजी श्रीमती मीरा देवी अग्रवाल (पत्नी स्व. श्री गोपाल दास जी, खोआ वाले) का गोलोकवास दिनांक 24.03.2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 25.03.2026 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरुषों की 3 से 4 बजे तक स्थान- चित्रकूट, मसानी पर होगी।

शोकाकुल

अशोक कुमार–शालिनी अग्रवाल (पुत्र–पुत्रवधू)
सुनीता–प्रेमप्रकाश बंसल (मुंबई) ममता–राजीव अग्रवाल (मुंबई)
मीनू–मोहन लाल अग्रवाल (पुत्री–दामाद) विनय–कीर्ति, CA विवेक (पौत्र–पौत्रवधू) प्राची–श्रेयांश (दिल्ली) (पौत्री–पौत्री दामाद)
दिशानी अग्रवाल (प्रपौत्री) एवं समस्त खोआ वाला परिवार

फर्म

• गोपाल दास अशोक कुमार ज्वैलर्स (बृजवासी काम्प्लेक्स चौक बाजार, मथुरा)
• विवेक अशोक अग्रवाल एण्ड एसोसिएट्स (चार्टर्ड अकाउंटेंट्स)

मायका पक्षः सरन अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, केशव अग्रवाल (मैदावाले)

स्व. श्री नरेश चन्द्र बंसल

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे परम पूज्यनीय पिताजी श्री नरेश चन्द्र बंसल जी का स्वर्गवास दिनांक 23.03.2026 को हो गया है। उठावनी आज दिनांक 25.03.2026 दिन बुधवार को महिलाओं/ पुरुषों की सायं 1 से 2 बजे तक अग्रवाटिका, मसानी, लिंक रोड़, मथुरा पर होगी।

शोकाकुलः–

श्रीमती जगवती बंसल (धर्मपत्नी) आलोक–शिखा (पुत्र–पुत्रवधू) मनोज–प्रिती, तन्नू–सचिन (पुत्री–दामाद) कुमारी आरती, राधिका, आयुष, (पौत्र, पौत्री) श्री गोविन्द बंसल, सुरेश चन्द्र बंसल, दिनेश चन्द्र बंसल, (भाईगण) सुधीर बंसल, मनोज बंसल, मुकेश बंसल, सचिन बंसल, (भतीजेगण) एवं समस्त बंसल परिवार

प्रतिष्ठान : A.M पायल मण्डी रामदास, मथुरा मो. 8439250155, 7830443010

ससुराल पक्ष : बाबू लाल गर्ग, सतीश चन्द्र गर्ग, अनील गर्ग, दीपक गर्ग (सालेगण) फरह

डेंटल सर्जन एसोसिएशन की नई शुरुआत

विशेषज्ञों ने साझा किए आधुनिक उपचार के नए मंत्र

प्रथम स्थापना समारोह एवं सतत दंत शिक्षा कार्यक्रम में अतिथि व पदाधिकारी।

मथुरा–वृंदावन डेंटल सर्जन एसोसिएशन का प्रथम स्थापना समारोह संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन डेंटल सर्जन एसोसिएशन द्वारा प्रथम स्थापना समारोह एवं सतत दंत शिक्षा कार्यक्रम का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के दंत चिकित्सकों, अतिथियों एवं युवा डॉक्टरों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) अनुप कुमार गुप्ता, कुलपति, जीएलए विश्वविद्यालय ने अपने संबोधन में चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उन्नति के महत्व पर प्रकाश डाला।
मुख्य वक्ता डॉ. देवल अरोड़ा ने आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीकों और उन्नत उपचार पद्धतियों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के नव–निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की गई, जिसमें डॉ. देविका गर्ग को अध्यक्ष, डॉ. श्रेय श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष और डॉ. प्रतीक दीक्षित को सचिव बनाया गया। अन्य पदों पर भी नियुक्तियां की गईं। कार्यक्रम में संस्थापक सदस्यों एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. लोहिया के सिद्धांतों पर चलने का लिया संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी ने डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने डॉ. राम मनोहर लोहिया के सिद्धांतों एवं विचारों पर चलने का संकल्प लिया। महानगर उपाध्यक्ष भगवती चतुर्वेदी, महानगर सचिव जय शर्मा, यूथ बिग्रेड महानगर अध्यक्ष इमरान अब्बास, मजदूर सभा मुकेश सैनी, रामहरि शर्मा, त्रिलोकी, पिछड़ा वर्ग महानगर महासचिव राजेश उर्फ हप्पू यादव, व्यापार सभा प्रशांत अग्रवाल, जय शर्मा, विकाश चौधरी, सुभम शर्मा, सादान ख़ान ने विचार व्यक्त किए। संचालन समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष देवकीनंदन कश्यप ने किया।

जीएलए ग्रेटर नोएडा के एमबीए छात्रों की 19 कंपनियों में इंटर्नशिप

जीएलए विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा के विभिन्न कंपनियों में विंटर इंटर्नशिप कर सफल भागीदारी निभाने वाले छात्रों के साथ ग्रेटर नोएडा कैंपस के पदाधिकारी।

यूनिक समय, नोएडा। जीएलए यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (आईबीएम) के एमबीए बैच 2025-27 के छात्रों ने प्रथम सेमेस्टर की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद जनवरी-फरवरी 2026 में आयोजित विंटर इंटर्नशिप कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने देश की 19 प्रतिष्ठित कंपनियों में 30 से 45 दिनों की इंटर्नशिप पूरी कर उद्योग जगत का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। संस्थान द्वारा संचालित यह पहल एमबीए कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण विशेषता है, जिसमें छात्रों को प्रथम वर्ष के पहले सेमेस्टर के तुरंत बाद ही उद्योग जगत से जोड़ा जाता है। यह व्यवस्था अधिकांश बी-स्कूलों से अलग है, जहां आमतौर पर समर इंटर्नशिप द्वितीय वर्ष से ठीक पहले आयोजित होती है। जीएलए आईबीएम में विंटर इंटर्नशिप को पाठ्यक्रम का अनिवार्य और संरचित हिस्सा बनाया गया है, जिसके आधार पर छात्रों के सीखने और प्रदर्शन का मूल्यांकन भी किया जाता है। इस अनुभव के बाद छात्र आगे चलकर समर इंटर्नशिप में भी भाग लेंगे, जिससे उनका व्यावसायिक अनुभव और अधिक समृद्ध होगा। इस वर्ष के विंटर इंटर्नशिप कार्यक्रम में छात्रों को एलजी, डाबर, डीएस ग्रुप, इसुजु, मिसेज बेक्टर, सीएनएच, वी मार्ट, अशोक लेलैंड, एल एंड टी, थेल्स, मेरिटो, इंफ्राविजन, जस्ट चार्ज, रिक्रूवेब रिसोर्सेज, वेल्थचॉइस इन्फ्रा, पद्मिनी वीएनए मेकाट्रॉनिक्स, ऑप्टिविज मीडिया, इक्वारो गारंटीज तथा एस्ट एंड कंपनी एलएलपी जैसी नामचीन कंपनियों में इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त हुआ। इन कंपनियों में छात्रों ने फाइनेंस, मार्केटिंग और एचआर जैसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में कार्य करते हुए व्यावहारिक अनुभव हासिल किया। कुल 42 छात्रों ने 19 कंपनियों में इंटर्नशिप की, जिनमें डाबर में सर्वाधिक 6 छात्र, वी मार्ट और इसुजु में 4-4 छात्र, एलजी, मेरिटो, मिसेज बेक्टर एवं सीएनएच में 3-3 छात्र, जबकि शेष कंपनियों में 1-2 छात्रों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इंटर्नशिप के दौरान छात्रों ने वित्तीय विश्लेषण, बजट निर्माण, लागत नियंत्रण, विपणन रणनीति, उपभोक्ता व्यवहार अध्ययन, भर्ती प्रक्रिया, कर्मचारी प्रशिक्षण और संगठनात्मक कार्य संस्कृति जैसे अनेक पहलुओं को नजदीक से समझा। इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के डीन प्रोफेसर संजय रस्तोगी ने बताया कि यह विंटर इंटर्नशिप कार्यक्रम छात्रों को कक्षा से बाहर उद्योग जगत की वास्तविकताओं से परिचित कराने के उद्देश्य से संचालित किया जाता है। वहीं प्रतिकुलपति प्रो. दिवाकर भारद्वाज ने कहा कि जीएलए यूनिवर्सिटी का उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करना है, ताकि वे उद्योग जगत की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के इंटर्नशिप कार्यक्रम छात्रों के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें पेशेवर दुनिया के लिए बेहतर तरीके से तैयार करते हैं। संस्थान का लक्ष्य प्रत्येक एमबीए छात्र को पढ़ाई के दौरान ही पर्याप्त उद्योग अनुभव उपलब्ध कराना है, जिससे वे रोजगार बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। इस वर्ष का सफल विंटर इंटर्नशिप कार्यक्रम एक बार फिर यह दर्शाता है कि जीएलए यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी संस्थानों में शामिल है।

टेट अनिवार्यता के विरोध में चार अप्रैल को शिक्षकों का दिल्ली कूच

बैठक में शामिल शिक्षक-शिक्षिकाएं।

प्रमुख संवाददाता

टीईटी अनिवार्यता का शिक्षकों ने बैठक कर किया विरोध

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक में टीईटी की अनिवार्यता का विरोध किया गया। चार अप्रैल को दिल्ली के रामलीला मैदान में टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में होने वाले धरना प्रदर्शन आंदोलन को सफल बनाने की रणनीति तैयार की गई। जिलाध्यक्ष अतुल सारस्वत ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर जबरन टीईटी थोपने का अध्यादेश लाकर शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात किया है। इसको शिक्षक संघ बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र सारस्वत ने शिक्षकों से आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया। जिला महामंत्री लक्ष्मी नारायण ने प्रत्येक विकास खंड से अधिक से अधिक शिक्षकों को बसों द्वारा ले जाने का उत्तरदायित्व प्रत्येक विकासखंड के अध्यक्ष और पदाधिकारियों को दिया। जिला कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा ने कहा कि शिक्षकों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में प्रोन्नत वेतनमान और एरियर भुगतान की समस्याएं भी उठीं। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार, मीडिया प्रभारी अरविंद कुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष नीलम गौड़, शक्ति वर्मा, बाबू लाल मिश्रा, गीतम सिंह, हरीश चौधरी, राजीव पचौरी, ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह छौंकर, नंदकिशोर, मुरारी लाल शर्मा, हेमंत कुमार, देवेंद्र कौशिक, योगेन्द्र गौतम, लोकेंद्र मिश्रा, राजेश चौधरी, कृष्ण कुमार चौधरी ब्लॉक मंत्री, सुशेंद्र मित्तल, कृष्णपाल सिंह, सिद्धार्थ, ज्योति वीर सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, ब्रजवीर भरंगर, मोनिका शुक्ला, प्रदीप कुमार, सुजीत वर्मा तथा देवेश कुमार आदि उपस्थित थे।

सिंधी सपूत हेमू कालाणी का जन्मदिवस मनाया

सिंधी सपूत हेमू कालाणी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते सिंधी जनरल पंचायत के पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

सिंधी जनरल पंचायत ने सिंधी शहीद को याद किया

यूनिक समय, मथुरा। मात्र 19 वर्ष की उम्र में शहीद हो जाने वाले सिंधी सपूत हेमू कालाणी को माफी न मांगने पर अंग्रेजों ने फांसी दे दी थी। वह शहीद भगत सिंह को अपना आइडल मानते थे। बहादुर पुरा स्थित स्वामी लीलाशाह सिंधी धर्मशाला में सिंधी जनरल पंचायत के बैनर तले आयोजित संगोष्ठी में शहीद हेमू कालाणी की कहानियां सुनाकर हेमू कालाणी के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए। मीडिया प्रभारी एवं सिंधी जागरूक मंच के संस्थापक किशोर इसरानी ने हेमू कालाणी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष नारायणदास लखवानी ने युवाओं को हेमू कालाणी के बलिदान से सीख लेकर देश सेवा करने हेतु आगे आने का आह्वान किया। कहा कि सिंधी समाज हेमू कालाणी के बलिदान को कभी नहीं भुला सकता। लाड़ी लोहाणा सिंधी पंचायत के प्रदेश महामंत्री रामचंद्र खत्री ने कहा कि जिस उम्र में आज के युवा फिल्मी कलाकारों को अपना आइडल मान रहे हैं, उससे भी कम उम्र में सिंधी सपूत हेमू कालाणी ने शहीद भगत सिंह को अपना आइडल मान लिया था। सिंधी काउंसलिंग ऑफ इंडिया के प्रदेश उपाध्यक्ष गुरमुखदास गंगवानी ने हेमू कालाणी के बलिदान दिवस पर समाज के उत्थान एवं सामाजिक व राजनीतिक अधिकारों के प्राप्ति को संकल्प लेने पर जोर दिया। इस मौके पर बसंतलाल मंगलानी, सुरेश मेठवानी, झामनदास नाथानी, चंदनलाल आडवानी, जितेंद्र भाटिया, युवा अध्यक्ष तरूण लखवानी, दीपक टेकवानी, गिरधारी, पंकज नाजवानी आदि ने हेमू कालाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बच्चों ने दिया ड्राइंग प्रतियोगिता से जल बचाने का संदेश

कन्या पूजन करती जायंट्स ग्रुप ऑफ वसुधा की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जायंट्स ग्रुप ऑफ वसुधा द्वारा "जल बचाओ-जीवन बचाओ" अभियान के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय नहरौली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराना था। इस अवसर पर ड्राइंग प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को जल के सही उपयोग और उसके संरक्षण के उपायों के बारे में बताया गया। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए "जल ही जीवन है" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में लगभग 40 बच्चों ने सक्रिय भागीदारी की, जबकि कुल 140 विद्यार्थियों तक जागरूकता संदेश पहुंचाया गया। बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए उन्हें रंग, कॉपी, पेन, फ्रूटी सहित अन्य सामग्री वितरित की गई। साथ ही नवदुर्गा के उपलक्ष्य में 21 कन्याओं का पूजन कर उन्हें चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रेसिडेंट मीरा अग्रवाल के साथ मीनल बंसल, रुचि गुप्ता, शशि अग्रवाल, भारती अग्रवाल, श्वेता बंसल, अनीता एवं नीना का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय की प्राचार्य सुशील चौधरी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विश्व क्षय रोग दिवस पर केडी हॉस्पिटल में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

टीबी लाइलाज नहीं, दवा बीच में न छोड़ें: डॉ. आरके अशोका

विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका व अन्य।

विशेषज्ञों ने टीबी से बचाव और इलाज की दी जानकारी

समय पर जांच से टीबी को खत्म किया जा सकता है

यूनिक समय, मथुरा। क्षय रोग (टीबी) समय पर पहचान और नियमित उपचार से पूरी तरह ठीक हो सकता है। इस बीमारी से घबराने की बजाय जागरूक रहना और चिकित्सक के निर्देशानुसार दवा का पूरा कोर्स करना बेहद जरूरी है। ये बातें विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहीं। टीबी एवं चेस्ट रोग विभाग द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता और व्याख्यान का उद्देश्य लोगों में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। छात्र-छात्राओं ने टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार से संबंधित रचनात्मक पोस्टर प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में डॉ. अदिति रावत और आस्था को संयुक्त रूप से प्रथम, अभिषेक गर्ग को द्वितीय तथा अभिषेक धाकर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। डीन एवं प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका ने कहा कि टीबी का इलाज एंटीबायोटिक दवाओं से संभव है, बशर्ते मरीज दवा बीच में न छोड़े। अधूरा इलाज रोग को जटिल बना सकता है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा टीबी की जांच और दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि तीन सप्ताह से अधिक खांसी, वजन कम होना, बुखार और रात में पसीना आना इसके प्रमुख लक्षण हैं। समय पर जांच और इलाज से टीबी को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

भगत सिंह की शहादत अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की देती है प्रेरणा

जनवादी लेखक संघ के बैनर तले आयोजित संगोष्ठी में पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस पर जनवादी लेखक संघ ने "आज के युवा और भगत सिंह के विचार" विषय पर विचार-गोष्ठी का आयोजन किया। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार टिकेन्द्र सिंह शाद ने की। कहा कि भगत सिंह की शहादत हमें अन्याय और असमानता के विरुद्ध आवाज उठाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि युवा वर्ग उनके विचारों को समझे और उन्हें अपने जीवन में उतारें। अन्य वक्ताओं ने भगत सिंह के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का युवा यदि उनके वैचारिक साहस, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। रवि प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि भगत सिंह केवल एक क्रांतिकारी नहीं, बल्कि एक गहरे चिंतक और दूरदर्शी विचारक थे, जिनके लेख आज भी युवाओं को सोचने और सवाल उठाने की प्रेरणा देते हैं। गोष्ठी में कैलाश वर्मा, विवेकदत्त मथुरिया, डॉ. धर्मराज, प्रसून पांडेय, शिवम शर्मा, पुनीत शर्मा, डॉ. सुनील कुमार, धर्मदेव, डॉ. अनिल दिनकर तथा डॉ. देवेन्द्र गुलशन आदि उपस्थित थे।

यूपी बोर्ड का शैक्षिक कैलेंडर जारी

प्रार्थना सभा में बच्चों से रोजाना पढ़वाई जाएंगी अखबार की प्रमुख खबरें

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शैक्षिक सत्र 2026–27 का कैलेंडर सोमवार को जारी किया है। इसमें सप्ताह में एक दिन प्रार्थना अंग्रेजी भाषा में करने या किसी विद्यालय में अन्य भाषा प्रचलित हो तो उसमें करने का प्रावधान किया है। विद्यार्थियों में स्क्रीन टाइम कम करने और समाचार पत्र पढ़ने की आदत विकसित करने के उद्देश्य से प्रार्थना सभा में रोजाना प्रमुख खबरों को पढ़वाने का प्रावधान किया

सप्ताह में एक दिन अंग्रेजी में होगी प्रार्थना

गया है। साथ ही कठिन शब्दों के उच्चारण, अर्थ और वाक्य प्रयोग भी बताए जाएंगे। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि कैलेंडर के अनुपालन के निर्देश सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि नए सत्र में विद्यार्थियों को मोबाइल के दुष्प्रभावों और ऑनलाइन गेम्स के कुप्रभाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि कक्षा नौ से 12 तक प्रथम यूनिट टेस्ट जुलाई में (बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित) होगा।

अर्द्धवार्षिक प्रयोगात्मक परीक्षाएं सितंबर के चौथे सप्ताह में होंगी। अर्द्धवार्षिक लिखित परीक्षा अक्टूबर में होंगी। कक्षा 10 व 12 का पाठ्यक्रम 10 जनवरी 2027 तक पूर्ण करना होगा। कक्षा नौ तथा 11 का पाठ्यक्रम 25 जनवरी 2027 तक पूर्ण करना होगा। प्री–बोर्ड प्रयोगात्मक परीक्षा 11 जनवरी 2027 से होंगी। कक्षा नौ व 11 की वार्षिक परीक्षा 1 फरवरी 2027 से होंगी। बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 27 जनवरी से 10 फरवरी 2027 तक होगी। बोर्ड परीक्षा फरवरी 2027 में आयोजित होगी। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में नया सवेरा कार्यक्रम के तहत शिक्षा अधिकारी विद्यालयों में दो दिन प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों से जीवन मूल्यों, अनुशासन, कॅरियर और दिनचर्या पर संवाद करेंगे। इसमें अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

गिरधापुर वाली महिषासुर मर्दिनी मंदिर की अद्भुत आस्था

पांच हजार वर्ष पुराने मंदिर में उमड़ रही श्रद्धा

गिरधापुर वाली महिषासुर मर्दिनी मंदिर में देवी दर्शन करती महिला श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। गिरधापुर वाली महिषासुर मर्दिनी देवी मंदिर आज भी भक्तों का प्रमुख श्रद्धा का केन्द्र बना हुआ है। मान्यता है कि जब भगवान कन्हैया ने छोटी उम्र में गोवर्धन पर्वत उठाने की तैयारी की थी, तब नंद बाबा और मां यशोदा चिंतित होकर माता रानी से प्रार्थना करने महिषासुर मर्दिनी देवी मंदिर पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा था कि कान्हा अभी बहुत छोटा है, पर्वत कैसे उठाएगा इस पर माता रानी ने स्वयं आशीर्वाद दिया था कि चिंता मत करो वे यहीं से शक्ति प्रदान करेंगी और कान्हा निश्चिंत होकर गोवर्धन पर्वत उठा पाएंगे। मान्यता के अनुसार इस मंदिर में पधारी हुई मूर्ति नहीं है, बल्कि यह दिव्य प्रतिमा पाताल से प्रकट हुई है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मंदिर को करीब 5 हजार वर्ष हो चुके है। यहां हर वर्ष मंदिर परिसर में अष्टमी, नवमी और दशमी पर मेला आयोजित किया जाता है, जिसमें दूर–दूर से हजारो की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले में रसिया कार्यक्रम, नौटंकी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ विशेष आकर्षण रहती हैं। इन आयोजनों से न सिर्फ धार्मिक माहौल बनता है बल्कि क्षेत्रीय संस्कृति को भी बढ़ावा मिलता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मंदिर से उनकी आस्था और भावनाएँ गहराई से जुड़ी हुई हैं, और आज भी यहां आने वाले भक्त माता रानी के दर्शन कर अदभुत शांति और शक्ति का अनुभव करते हैं।

जय हो मां कात्यायनी की

यूनिक समय, वृंदावन। चैत्र की नवरात्रि का छठवां दिन मां कात्यायनी का है। राधाबाग स्थित मां कात्यायनी देवी मंदिर में सुबह से लेकर दोपहर और सायं से लेकर रात्रि तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। यहां आने वाले श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ मां के चरणों में शीश नवा रहे थे।

वृंदावन स्थित मां कात्यायनी मंदिर में दर्शन करते श्रद्धालु।

ट्रेन में रेलवे कर्मचारी पर हुआ चाकू से जानलेवा हमला

यूनिक समय, मथुरा। अगरा कैंट पर रेलवे में ड्यूटी करने वाले फिटर को ड्यूटी करने के बाद ट्रेन से घर के लिए सोनई लौटने के दौरान एक युवक ने चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल का आगरा के पुष्पांजलि हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि आगरा कैंट पर विष्णु कुमार निवासी गांव भूड़री थाना राया फिटर की ड्यूटी करता है। बताया गया कि वह आगरा कैंट से ड्यूटी करने के बाद 20 मार्च की सायं गाड़ी संख्या 55334 से सोनई के लिए लौट रहा था। ट्रेन में यात्रा करने के बाद किसी बात को लेकर ट्रेन में यात्रा करने वाले युवक रविंद्र कुमार पुत्र चंद्रपाल निवासी गजू ने विष्णु कुमार पर चाकू से हमला कर दिया। हमलावर ने विष्णु कुमार के गले और हाथ पर जान लेवा हमला कर दिया। इस मामले में उसके भाई सौरभ चौधरी ने राजकीय रेलवे पुलिस को लिखित शिकायत दी। घायल को आगरा के पुष्पांजली हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में थाना प्रभारी जीआरपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद रेलवे कर्मचारी पर हमला करने वाले अभियुक्त रविंद्र कुमार को पुलिस ने राया रेलवे स्टेशन के समीप से गिरफ्तार कर उससे चाकू बरामद किया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जलालपुर छाता में लग रहा है खुशहाली बाबा मेला

यूनिक समय, छाता। छाता के निकटवर्ती ग्राम जलालपुर माता रानी मंदिर खुशहाली बाबा मंदिर पर इन दिनों नवरात्रि में मेला चल रहा है। इस मंदिर की मान्यता है कि खुशहाली बाबा मां ज्वाला देवी के परम भक्त थे। इस मंदिर का इतिहास लगभग 370 वर्ष पहले बताया जाता है। खुशहाली बाबा ने ग्राम जलालपुर से कांगड़ा देवी ज्वाला देवी माता की इक्कीस बार पैदल यात्रा की थी। मां के प्रथम भक्ति धांधू थे। उसके बाद खुशहाली बाबा द्वितीय गिने जाते हैं। बाबा खुशहाली बघेल समाज के कुल देवता हैं। इस मंदिर पर उत्तर प्रदेश राजस्थान दिल्ली हरियाणा गुजरात नेपाल तक से लाखों की संख्या में भक्तजन चैत्र नवरात्रि व क्वार नवरात्रि में दर्शन आते हैं। सभी बाबा के भक्तजन गंगाजल लाकर, खुशहाली बाबा की समाधि पर गंगाजल चढ़ाते हैं। लोगों को दृढ़ विश्वास है कि मंदिर दर्शन करने से घर में सुख समृद्धि शांति मिलती है। मंदिर मेला कमेटी ने यात्रियों के ठहरने व खाने–पीने की निशुल्क सेवा रहती है। मेला प्रभारी दरोगा अतर सिंह कमान संभाले हुए हैं। पुरुषोत्तम अध्यक्ष, डोरी लाल उपाध्याय, सुरेंद्र महामंत्री, मास्टर सुरेश चंद, हुकम सिंह कोषाध्यक्ष, महेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, लाखन सिंह, पीतम पप्पू, श्री चंद, जेई साहब, रेवती प्रसाद भगत, इंद्र पाल सिंह आदि मौजूद थे।

ग्राम जलालपुर स्थित मंदिर में दर्शन करते श्रद्धालु।

दर्शन करने से होती हैं सभी मनोकामना पूर्ण

विश्व क्षय रोग दिवस

क्षय उन्मूलन अभियान को मिली नई गति

विश्व क्षय रोग दिवस पर ग्राम प्रधान को सम्मानित करते अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। विश्व क्षय रोग दिवस पर जिले में क्षय उन्मूलन अभियान को नई गति देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम और सम्मान समारोह मंगलवार को डैंपियर नगर स्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भवन में "क्षय मुक्त ग्राम पंचायत" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम "हाँ! हम क्षय का अंत कर सकते हैंः देश के नेतृत्व में, जनशक्ति के सहयोग से" के अनुरूप जनसहभागिता को अभियान की सबसे बड़ी ताकत बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि इस रोग को जड़ से समाप्त करने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ समाज की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यक्रम 100 दिवसीय सघन क्षय रोग खोज अभियान के तहत किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 5,93,609 लोगों की जांच, 5,60,916 संवेदनशील वर्ग की विशेष जांच, 1,35,057 छाती के एक्स–रे तथा 17,144 मरीजों को पोषण सामग्री वितरित की गई। साथ ही सभी संभावित रोगियों का निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित किया गया। जनपद की 106 ग्राम पंचायतों को क्षय मुक्त घोषित कर ग्राम प्रधानों को गांधी की प्रतिमा, पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें 16 स्वर्ण, 28 रजत तथा 62 कांस्य श्रेणी शामिल रहे है। ब्लॉक में नौहझील की 22, राया की 16, मांट की 13, बलदेव की 12, गोवर्धन की 9, नंदगांव की 5, चौमुहां की 7, फरह की 11, छाता की 10 तथा मथुरा–वृंदावन की 1 ग्राम पंचायत शामिल रही। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने बताया कि क्षय पूरी तरह ठीक होने वाला रोग है, बशर्ते समय पर जांच और नियमित उपचार कराया जाए। उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सत्य प्रकाश राठौर ने चयन प्रक्रिया और मानकों की जानकारी दी। एसीएमओ डॉ. रोहताश ने लोगों से निक्षय मित्र बनकर रोगियों की सहायता करने की अपील की। कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों ने अपने अनुभव साझा किए और अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। सामुदायिक रेडियो "ब्रज की आवाज" के आरजे अमन भारद्वाज ने ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता से जुड़े अनुभव बताए। संचालन अखिलेश कुमार दीक्षित ने किया।

मथुरा की 106 ग्राम पंचायतें सम्मानित

भव्यता से मनाया गया श्री कालिंदी जन्म महोत्सव

कलशयात्रा में शामिल पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। श्री कालिंदी सेवा संस्थान (रजि.) द्वारा 16वां कालिंदी जन्म महोत्सव अत्यंत भव्य और दिव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 8 बजे श्री गिर्राज मंदिर डीके से निकली भव्य कलश यात्रा से हुई, जिसमें 108 मातृशक्तियों ने भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बैंड–बाजों के साथ निकली शोभायात्रा में श्रद्धालु यमुना जी के भजनों में लीन रहे। संस्थान के संस्थापक रामकुमार आचार्य एवं नरेंद्र अग्रवाल ने कलश यात्रा का मार्गदर्शन किया। अध्यक्ष विवेक बंसल, महिला मंडल अध्यक्ष डॉ. जमुना शर्मा एवं मुख्य अतिथि कुंज बिहारी सिंगल ने यमुना जी के चित्रपट की आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य यजमान विहारी लाल अग्रवाल एवं जितेंद्र अग्रवाल ने सभी भक्तों का स्वागत किया। असकुंडा घाट पर यमुना जी का पूजन, दुग्धाभिषेक एवं चुनरी मनोरथ विधि–विधान से संपन्न हुआ। शाम को भव्य फूल बंगला सजाकर छप्पन भोग अर्पित किए गए। भजन संध्या में श्रद्धालुओं ने भक्ति रस का आनंद लिया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगियों एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

सुविचार

जहां प्रयास नहीं, वहां सफलता नहीं।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	04:08-01:05 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	मृगशीर्षा	07:04-05:33 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		6:29 AM	चन्द्रोदय	11:10 AM
सूर्यास्त		6:35 PM	चंद्रास्त	01:30 AM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:32 PM:02:03 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

सदियों तक धरती में छिपा रहा बरबरीक का पावन शीश

महाभारत के बाद खाटू श्याम के शीश की अद्भुत यात्रा कथा

यूनिक समय, मथुरा। महाभारत के महान युद्ध के उपरांत एक अत्यंत रहस्यमयी और श्रद्धा से जुड़ी कथा प्रचलित है, जो आज भी जनमानस में गहरी आस्था के साथ सुनाई जाती है। यह कथा परमवीर बरबरीक के दिव्य शीश से संबंधित है, जिन्होंने युद्ध से पूर्व भगवान श्रीकृष्ण को अपना शीश दान में समर्पित कर दिया था। भगवान श्रीकृष्ण ने उनके बलिदान को स्वीकार करते हुए उनके शीश को युद्ध देखने का वरदान दिया, जिससे वह सम्पूर्ण महाभारत युद्ध के साक्षी बने। युद्ध समाप्त होने के पश्चात भगवान श्रीकृष्ण ने उस दिव्य शीश को रूपवती नदी में प्रवाहित कर दिया। वह अलौकिक शीश जलधाराओं के साथ बहता हुआ दूर–दूर तक यात्रा करता रहा और अंततः राजस्थान के सीकर क्षेत्र की ओर पहुंच गया। कालांतर में वह पवित्र शीश खाटू की भूमि में समाहित हो गया और सदियों तक धरती के भीतर सुरक्षित रहा, मानो किसी विशेष समय की प्रतीक्षा कर रहा हो। समय बीतता गया, द्वापर युग समाप्त हुआ और कलयुग का आगमन हुआ। जिस स्थान पर वह शीश स्थित था, वह क्षेत्र धीरे–धीरे एक घने जंगल में परिवर्तित हो गया। वहां स्थानीय ग्रामीण अपनी गायों को चराने लाते थे। एक दिन एक अद्भुत घटना घटी–एक सफेद गाय अचानक झुंड से अलग होकर एक विशेष स्थान पर खड़ी हो गई और उसके थनों से अपने आप दूध की धारा भूमि पर गिरने लगी। इस विचित्र दृश्य को देखकर ग्रामीण आश्चर्यचकित रह गए। जब उस स्थान की खुदाई की गई, तो वहां से एक दिव्य प्रकाश के साथ बरबरीक का शीश प्रकट हुआ। यह दृश्य अत्यंत अलौकिक और भावविभोर कर देने वाला था। ग्रामीणों ने उस पवित्र शीश को सम्मानपूर्वक एक साधु ब्राह्मण को सौंप दिया, और उसी स्थान पर श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना प्रारंभ की गई। इसी दौरान खाटू के तत्कालीन राजा रूप सिंह चौहान को स्वप्न में बाबा श्याम के दर्शन हुए। उन्होंने राजा को आदेश दिया कि जिस स्थान पर उनका शीश प्राप्त हुआ है, वहां एक भव्य मंदिर का निर्माण कराया जाए। राजा ने इस दिव्य आदेश को स्वीकार करते हुए तुरंत मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ कराया। कठिन परिश्रम और समर्पण के साथ शीघ्र ही एक भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। आज वही स्थान खाटू श्याम जी के प्रसिद्ध मंदिर के रूप में विख्यात है, जहां देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु अपनी आस्था लेकर पहुंचते हैं। यह कथा त्याग, भक्ति और चमत्कार का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करती है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 26 मार्च, दिन गुरुवारः राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवारः कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवारः सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवारः चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवारः विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवारः वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवारः बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवारः बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवारः दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवारः अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवारः संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवारः मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवारः भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशिः कल का दिन आपके लिए थोड़ा तनावपूर्ण रह सकता है। किसी कार्य को लेकर चिंता बनी रहेगी। व्यापार में नुकसान होने की आशंका है, इसलिए किसी भी निर्णय में जल्दबाजी न करें। वाणी पर संयम रखें और परिवार में किसी दुखद समाचार के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें।

वृषभ राशिः दिन शुभ संकेत लेकर आया है। नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं और किसी बड़ी साझेदारी से फायदा मिल सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और पैतृक संपत्ति से लाभ संभव है।

मिथुन राशि : आपका दिन सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य में हल्का उतार–चढ़ाव रह सकता है। परिवार में किसी के व्यवहार से मन विचलित हो सकता है। व्यापार में बदलाव करने से बचें और वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

कर्क राशि : यात्रा के योग बन सकते हैं, लेकिन सावधानी जरूरी है। दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। व्यापार में पार्टनर से धोखा मिल सकता है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें और किसी भी बदलाव से बचें।

सिंह राशि : दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ संभव है और पारिवारिक विवाद समाप्त हो सकते हैं।

कन्या राशिः स्वास्थ्य को लेकर परेशानी हो सकती है। आर्थिक स्थिति पर भी प्रभाव पड़ सकता है। व्यापार में बड़ा निर्णय लेने से बचें और परिवार में विवाद की स्थिति बन सकती है।

तुला राशिः आपको कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। वाहन सावधानी से चलाएं। परिवार में किसी अपने को खोने का दुख मिल सकता है, लेकिन जीवनसाथी का सहयोग रहेगा।

वृश्चिक राशि : दिन लाभकारी रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापार में आर्थिक लाभ होगा और परिवार का सहयोग मिलेगा।

धनु राशिः साझेदारी में सावधानी रखें। बिना जानकारी के निर्णय नुकसान दे सकता है। परिवार में मतभेद और खर्च बढ़ सकते हैं।

मकर राशिः स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेगी। परिवार में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी।

कुंभ राशिः रिश्तों में विश्वास बनाए रखें। दूसरों की बातों में आकर अपने संबंध खराब न करें।

मीन राशिः कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं। व्यापार में गिरावट महसूस होगी। परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद संभव है।

राशि के अनुसार स्वास्थ्य संकेत, किन बीमारियों से रहें सावधान

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हर व्यक्ति की राशि उसके स्वभाव के साथ–साथ स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डालती है। माना जाता है कि ग्रहों की स्थिति शरीर के अलग–अलग अंगों को प्रभावित करती है, जिससे कुछ विशेष बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है।

मेष राशि वालों को रक्त, त्वचा और हाई बीपी से जुड़ी समस्याओं का खतरा रहता है, जबकि वृषभ राशि वालों को डायबिटीज और गले से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। मिथुन राशि वालों को फेफड़ों और एलर्जी की समस्या, वहीं कर्क राशि वालों को मानसिक तनाव और श्वास संबंधी दिक्कतें परेशान कर सकती हैं।

सिंह और कन्या राशि वालों को पाचन तंत्र और आंखों से जुड़ी समस्याओं का ध्यान रखना चाहिए। तुला राशि वालों को किडनी और मूत्र संबंधी रोगों से सावधान रहना जरूरी है, जबकि वृश्चिक राशि वालों को हार्मोनल असंतुलन का खतरा रहता है।

धनु और मीन राशि वालों को लिवर और मोटापे से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। मकर और कुंभ राशि वालों को जोड़ों, घुटनों और नसों से संबंधित दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सभी राशियों के लोगों को समय–समय पर स्वास्थ्य जांच और संतुलित जीवनशैली अपनानी चाहिए।

अकोला के रहस्यमयी शिवलिंग में समाई महारानी की सच्ची आस्था की कहानी

यूनिक समय, मथुरा। महाराष्ट्र के अकोला में स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर अपनी रहस्यमयी कथा के कारण विशेष श्रद्धा और जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। यहां स्थापित शिवलिंग में एक गहरी दरार दिखाई देती है, और मान्यता है कि उसी दरार में एक महारानी की साड़ी का पल्लू आज भी फंसा हुआ है। लोककथाओं के अनुसार, सदियों पहले एक महारानी इसी शिवलिंग में सदा के लिए समा गई थीं। यह कथा आस्था, भक्ति और विश्वास की एक अनोखी मिसाल प्रस्तुत करती है।

कहा जाता है कि अकोला के राजा अकोल सिंह की महारानी बचपन से ही भगवान शिव की परम भक्त थीं। उनका मन राजसी वैभव और सुख–सुविधाओं में नहीं, बल्कि महादेव की भक्ति में रमा रहता था। विवाह के बाद जब वे राजमहल में आईं, तो राजसी मर्यादाओं और पहरेदारी के कारण उन्हें एकांत में पूजा करने का अवसर नहीं मिल पाता था। इसी कारण उन्होंने एक गुप्त संकल्प लिया। उन्होंने निश्चय किया कि वे प्रतिदिन आधी रात को, जब पूरा महल निद्रा में लीन होता, नंगे पैर चुपचाप शिव मंदिर जाकर अपने आराध्य की पूजा करेंगी। यह उनका और महादेव के बीच का एक पवित्र और निजी रहस्य था। लेकिन समय के साथ महल के कुछ दरबारियों ने इस बात को लेकर राजा के मन में संदेह उत्पन्न कर दिया। बार–बार उकसाए जाने पर राजा के मन में शक गहराता गया। एक रात उन्होंने सत्य जानने के लिए तलवार उठाई और महारानी का पीछा किया। महारानी को शिव मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करते देख राजा क्रोध में भरकर भीतर पहुंचे। उस समय महारानी ध्यान में लीन थीं। जब उन्होंने आंखें खोलीं और अपने पति को तलवार के साथ सामने खड़ा देखा, तो वे अत्यंत आहत हो गईं। अपने चरित्र पर लगे इस संदेह से व्यथित होकर उन्होंने शिवलिंग के सामने प्रार्थना की–यदि उनकी भक्ति और पवित्रता सच्ची है, तो महादेव उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। कहा जाता है कि उसी क्षण मंदिर में दिव्य प्रकाश फैल गया और शिवलिंग दो भागों में विभक्त हो गया। महारानी उसमें समा गईं और शिवलिंग पुनः एक हो गया। किंतु उनकी साड़ी का एक पल्लू बाहर ही रह गया।

तब से यह स्थान 'राजराजेश्वर मंदिर' के रूप में प्रसिद्ध है। आज भी यह शिवलिंग श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रतीक है और यह विश्वास दिलाता है कि भगवान शिव अपने सच्चे भक्तों की रक्षा अवश्य करते हैं।

सम्पादकीय

दागी राजनीति का खेल कानून बना मजाक

भारतीय राजनीति में "दाग अच्छे हैं" का नया संस्करण शायद चुपचाप लागू हो चुका है। फर्क बस इतना है कि यहां साबुन की नहीं, कानून की जरूरत है–और वो भी ऐसा जो सच में काम करे, सिर्फ कागज़ों पर नहीं। पिछले दशक में प्रवर्तन निदेशालय ने 193 मामले दर्ज किए, लेकिन सजा? महज दो! यानी अगर आप नेता हैं, तो गिरफ्तारी एक तरह की "राजनीतिक छुट्टी" हो सकती है, जिसका अंत अक्सर बरी होकर "विजयी वापसी" में होता है।

पवन गौतम
संपादक

उधर आंकड़े भी मज़ाक उड़ाते नजर आते हैं। 2004 में जहां 24% सांसदों पर आपराधिक मामले थे, वहीं 2024 में ये बढ़कर 46% हो गए। यानी संसद अब कानून बनाने की जगह "अनुभव साझा मंच" बनती जा रही है–जहां अपराध के अनुभव भी काम आते हैं। जनता वोट देती है, शायद विकास के लिए, लेकिन परिणाम में "विकास" के साथ "विवाद" भी मुफ्त मिलता है।

अब आया नया विचार–अगर कोई मंत्री 30 दिन जेल में रहे, तो पद अपने आप खत्म। सुनने में तो यह व्यवस्था सख्त और प्रभावी लगती है, लेकिन असल में यह ऐसा है जैसे डॉक्टर बीमारी देखे बिना दवा दे दे। गिरफ्तारी कोई अंतिम सत्य नहीं होती, यह तो जांच एजेंसियों की कार्रवाई है। अगर इसी आधार पर पद छिनने लगे, तो सरकारें विरोधियों को "30 दिन की छुट्टी" पर भेजकर राजनीति का नक्शा बदल सकती हैं। जरा सोचिए, अगर कोई नेता निर्दोष निकला तो? पहले पद गया, फिर इज्जत गई, और अंत में न्याय मिला–वो भी देर से। यह वैसा ही है जैसे पहले सजा दे दो, फिर सुनवाई करो। कानून का यह उल्टा गणित लोकतंत्र को सीधा नहीं कर सकता। असल समस्या कहीं और है–मुकदमों की धीमी गति, कम दोषसिद्धि दर और राजनीतिक दबाव। अदालतें सालों तक फैसले देती हैं, और तब तक आरोपी "जनसेवक" बने रहते हैं।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

सुधार का रास्ता साफ है–तेज न्याय, निष्पक्ष जांच और स्पष्ट नियम। लेकिन हम क्या कर रहे हैं? आधे–अधूरे कानून बनाकर समस्या को और उलझा रहे हैं। व्यंग्य यही है कि जिस व्यवस्था से राजनीति को साफ होना था, वही उसे और धुंधला बना रही है। न तो दाग हट रहे हैं, न ही दर्पण साफ हो रहा है। ऐसे में सवाल यही है–क्या हम सच में सुधार चाहते हैं, या सिर्फ सुधार का नाटक? क्योंकि अगर नाटक ही करना है, तो मंच तैयार है, कलाकार भी मौजूद हैं–और दर्शक, यानी जनता, अब भी टिकट लेकर बैठी है।

नजरिया

ब्रिक्स विस्तार से पश्चिमी वर्चस्व को बड़ी चुनौती

नीरज कुमार दुबे

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में ब्रिक्स का विस्तार एक निर्णायक मोड़ साबित हो रहा है। कभी केवल पांच देशों–ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका–तक सीमित यह समूह अब एक व्यापक मंच बन चुका है, जो न केवल आर्थिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है बल्कि वैश्विक संतुलन को भी नई दिशा दे रहा है। इस विस्तार ने भारत के लिए अवसरों के ऐसे द्वार खोल दिए हैं, जो उसे केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था ही नहीं बल्कि एक निर्णायक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

पहले ब्रिक्स का वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सा लगभग 31 प्रतिशत था, जो अब नए सदस्य देशों के जुड़ने के बाद 37 से 40 प्रतिशत तक पहुँच गया है। यह आंकड़ा सिर्फ एक संख्या नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में हो रहे बदलाव का संकेत है। जनसंख्या के लिहाज से भी यह समूह अब दुनिया की लगभग 45 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। इसका सीधा अर्थ है कि वैश्विक नीतियों और निर्णयों में अब पश्चिमी देशों का एकाधिकार चुनौती के घेरे में है।

भारत के लिए यह विस्तार विशेष महत्व रखता है। एक ओर जहां पश्चिमी देशों के नेतृत्व वाले आर्थिक और राजनीतिक ढांचे लंबे समय से वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित करते रहे हैं, वहीं ब्रिक्स जैसे मंच भारत को अपनी स्वतंत्र आवाज उठाने का अवसर देते हैं। भारत अब केवल एक सहभागी नहीं, बल्कि नीति निर्धारण में अग्रणी भूमिका निभाने वाला देश बन सकता है।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो ब्रिक्स का सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक वित्तीय व्यवस्था पर पड़ रहा है। लंबे समय से डॉलर आधारित प्रणाली दुनिया के व्यापार और निवेश का आधार रही है। लेकिन अब स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की पहल इस व्यवस्था को चुनौती दे रही है। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसी संस्थाएं पहले ही पश्चिमी वित्तीय संस्थानों के विकल्प के रूप में उभर रही हैं। यदि यह प्रक्रिया तेज होती है, तो भारत को विदेशी मुद्रा के दबाव से राहत मिल सकती है और उसकी आर्थिक संप्रभुता और मजबूत होगी।

सिर्फ आर्थिक ही नहीं, सामरिक दृष्टि से भी ब्रिक्स का विस्तार भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पश्चिम एशिया और अफ्रीका के देशों के जुड़ने से भारत की पहुँच ऊर्जा संसाधनों, समुद्री मार्गों और रणनीतिक क्षेत्रों तक बढ़ी है। ये वही क्षेत्र हैं जहां अब तक चीन का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था। ऐसे में ब्रिक्स के भीतर सक्रिय भूमिका निभाकर भारत इस प्रभाव को संतुलित कर सकता है और खुद को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित कर सकता है।

हालांकि, इस विस्तार के साथ चुनौतियां भी कम नहीं हैं। ब्रिक्स के भीतर ही कई मतभेद मौजूद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद, रूस और पश्चिमी देशों के बीच टकराव, तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष इस मंच की एकता की परीक्षा ले रहे हैं। लेकिन यही वह बिंदु है जहां भारत की कूटनीतिक क्षमता सामने आती है। भारत ने हमेशा संवाद, संतुलन और बहुपक्षीय सहयोग को प्राथमिकता दी है। यही दृष्टिकोण उसे ब्रिक्स के भीतर एक सेतु के रूप में स्थापित करता है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां भी ब्रिक्स की प्रासंगिकता को और बढ़ा रही हैं। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष, रूस–यूक्रेन युद्ध और अमेरिका–चीन प्रतिस्पर्धा ने दुनिया को अस्थिर बना दिया है। ऐसे समय में एक ऐसा मंच, जो संतुलित और बहुपक्षीय समाधान की बात करता हो, उसकी अहमियत स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। भारत, जो खुद को "ग्लोबल साउथ" की आवाज के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, इस मंच के जरिए शांति और स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भारत में प्रस्तावित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाता है। यह केवल एक औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि वैश्विक मुद्दों पर सामूहिक रणनीति बनाने का अवसर है। हालांकि, मौजूदा तनावपूर्ण माहौल में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सभी सदस्य देश एक साझा एजेंडा पर सहमत हो पाएंगे। लेकिन इतिहास यह बताता है कि संकट के समय ही सहयोग की आवश्यकता सबसे अधिक होती है।

भारत की भूमिका यहां और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एक उभरती आर्थिक शक्ति के रूप में भारत पहले ही दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है और आने वाले वर्षों में तीसरे स्थान तक पहुंचने की संभावना है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारत की पहलें अन्य देशों के लिए एक मॉडल बन सकती हैं।

डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इकोसिस्टम और फिनटेक क्षेत्र में भारत की प्रगति ने उसे वैश्विक स्तर पर एक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित किया है। यदि इन अनुभवों को ब्रिक्स देशों के साथ साझा किया जाता है, तो यह न केवल समूह की सामूहिक शक्ति को बढ़ाएगा बल्कि विकासशील देशों के लिए एक वैकल्पिक विकास मॉडल भी प्रस्तुत करेगा। इसके अलावा, हरित ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में भी भारत की भूमिका अहम है। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और सतत विकास के क्षेत्र में भारत की पहलें ब्रिक्स देशों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकती हैं। यह सहयोग न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा बल्कि वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान भी प्रस्तुत करेगा।

फिर भी, यह मानना जरूरी है कि ब्रिक्स का विस्तार केवल अवसर ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। भारत को इस मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए अपने कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना होगा। उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि ब्रिक्स केवल एक राजनीतिक मंच न बनकर वास्तविक सहयोग और विकास का माध्यम बने।

अंततः ब्रिक्स का विस्तार भारत के लिए एक रणनीतिक वरदान साबित हो सकता है, बशर्ते वह इसे सही दिशा में उपयोग करे। यह समय भारत के लिए केवल भागीदारी का नहीं, बल्कि नेतृत्व का है। यदि भारत इस अवसर को भुना पाता है, तो वह न केवल अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत करेगा बल्कि एक नई, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभाएगा। इस बदलती दुनिया में जहां शक्ति संतुलन तेजी से परिवर्तित हो रहा है, भारत के पास इतिहास रचने का मौका है। ब्रिक्स के माध्यम से वह न केवल पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती दे सकता है, बल्कि एक ऐसे भविष्य की नींव भी रख सकता है जहां हर देश की आवाज सुनी जाए और वैश्विक विकास का लाभ समान रूप से सभी तक पहुंचे।

विचार विण्डो

हॉर्मुज में उभरता इलेक्ट्रॉनिक युद्ध का खतरनाक दौर

बोध प्रकाश सगुणी

दुनिया की भू–राजनीति में कुछ स्थान ऐसे होते हैं, जो समय के साथ सिर्फ भौगोलिक महत्व तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन के केंद्र बन जाते हैं। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज ऐसा ही एक क्षेत्र है, जो आज पारंपरिक समुद्री मार्ग से कहीं आगे बढ़कर आधुनिक तकनीकी युद्ध का प्रतीक बन गया है। हाल के घटनाक्रमों ने इस जलडमरूमध्य को "इलेक्ट्रॉनिक ब्लैक होल" के रूप में स्थापित कर दिया है, जहां अदृश्य तरंगों के माध्यम से युद्ध लड़ा जा रहा है।

पहले युद्ध का अर्थ था हथियार, सैनिक और युद्धपोत, लेकिन अब संघर्ष का स्वरूप बदल चुका है। आज का युद्ध डिजिटल संकेतों, सैटेलाइट सिस्टम और साइबर तकनीकों के जरिए लड़ा जा रहा है। हॉर्मुज के आसपास जहाजों के साथ जो हो रहा है, वह इसी नए युग की झलक है। समुद्र में चल रहे जहाज डिजिटल नक्शों पर अचानक रेगिस्तान में दिखाई देने लगते हैं या फिर एकदम सटीक गोल घेरों में घूमते हुए नजर आते हैं। यह किसी तकनीकी खराबी का परिणाम नहीं, बल्कि सुनियोजित इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप है।

इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में है जीपीएस स्पूफिंग, जो आधुनिक युद्ध की एक खतरनाक तकनीक बनकर उभरी है। इसे समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह सामान्य हस्तक्षेप से कहीं अधिक जटिल और घातक है। पारंपरिक जैमिंग में सिग्नल को केवल बाधित किया जाता है, जिससे सिस्टम को तुरंत पता चल जाता है कि कुछ गड़बड़ है। लेकिन स्पूफिंग एक "डिजिटल मायाजाल" रचती है, जिसमें सिस्टम को यह एहसास ही नहीं होता कि उसे गुमराह किया जा रहा है।

स्पूफिंग में हमलावर नकली सैटेलाइट सिग्नल तैयार करता है, जो असली जीपीएस सिग्नल से अधिक शक्तिशाली होते हैं। जहाज का नेविगेशन सिस्टम इन्हें असली मान लेता है और अपनी स्थिति गलत तरीके से निर्धारित करने लगता है। इसका परिणाम यह होता है कि जहाज वास्तविक मार्ग से भटक सकता है, टकराव की आशंका बढ़ जाती है और समुद्री दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इस तकनीक के पीछे कौन है, यह सवाल अभी भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। हालांकि, कई अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक ईरान की ओर इशारा करते हैं, जो लंबे समय से इस क्षेत्र में अपनी सामरिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। ईरान ने बार–बार यह संकेत दिया है कि वह अपने समुद्री क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा और जरूरत पड़ने पर सख्त कदम उठाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की तकनीक को विकसित करने के लिए अत्याधुनिक संसाधनों और तकनीकी सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे में रूस और चीन जैसे देशों की संभावित भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अब महाशक्तियों की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। हॉर्मुज की स्थिति इसलिए और संवेदनशील है क्योंकि यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस इसी मार्ग से होकर गुजरता है। यदि इस क्षेत्र में नेविगेशन सिस्टम अविश्वसनीय हो जाएं, तो इसका सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है, कीमतें बढ़ सकती हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो सकता है। "इलेक्ट्रॉनिक ब्लैक होल" की अवधारणा इसी संदर्भ में सामने आती है। यह ऐसा क्षेत्र बनता जा रहा है, जहां सिग्नल की विश्वसनीयता खत्म होती जा रही है और डिजिटल सिस्टम भ्रमित हो रहे हैं। यहां रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरह की तकनीकें एक–दूसरे से टकरा रही हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो जाती है। यह परिघटना हमें भविष्य के युद्ध की एक स्पष्ट तस्वीर भी दिखाती है। आने वाले समय में युद्ध केवल जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह डिजिटल स्पेस में भी लड़ा जाएगा। इसमें जीत उसी की होगी, जो दुश्मन की सूचना प्रणाली को बाधित कर सके और अपने सिस्टम को सुरक्षित रख सके।

इस परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती केवल सैन्य ताकत बढ़ाने की नहीं, बल्कि तकनीकी सतर्कता और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की है। देशों को अपने नेविगेशन सिस्टम को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना होगा। वैकल्पिक तकनीकों का विकास करना होगा, ताकि जीपीएस पर निर्भरता कम की जा सके। भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति एक चेतावनी भी है और अवसर भी।

चेतावनी इसलिए कि समुद्री और डिजिटल सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, और अवसर इसलिए कि उभरती तकनीकों में निवेश करके वैश्विक स्तर पर नेतृत्व हासिल किया जा सकता है।

अंततः, हॉर्मुज में हो रहा यह अदृश्य युद्ध हमें यह समझाता है कि आधुनिक संघर्ष अब केवल दिखाई देने वाली ताकत का खेल नहीं रह गया है। यह सूचना, तकनीक और रणनीति का ऐसा संगम है, जहां जीत उसी की होगी, जो दुश्मन को बिना दिखाई दिए परास्त कर सके।

यदि दुनिया ने समय रहते इस "डिजिटल मायाजाल" को नहीं समझा, तो आने वाले समय में युद्ध का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा। तब लड़ाई केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि हमारे डिजिटल ब्रह्मांड में भी लड़ी जाएगी–और शायद वही असली रणभूमि होगी।

साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

अनुष्का शर्मा को पहली बार मिली टी20 टीम में जगह

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अप्रैल 2026 में साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी, जिसमें पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। बीसीसीआई ने इस सीरीज के लिए टीम इंडिया का स्क्वॉड घोषित कर दिया है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करेंगी। इस सीरीज के जरिए टीम इंडिया जून में होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को अंतिम रूप देना चाहेगी।

टी20 टीम में पहली बार अनुष्का शर्मा को शामिल किया गया है। इसके अलावा उमा छेत्री और काशवी गौतम को भी टीम में जगह मिली है। वहीं वैष्णवी शर्मा, स्नेह राणा, जी. कमलिनी और अमनजोत कौर को टीम से बाहर किया गया। कमलिनी की जगह उमा छेत्री को शामिल किया गया है। महिला टीम ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, जहां वनडे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टी20 सीरीज 2–1 से जीतकर वापसी की। टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए अपने बॉलिंग डिपार्टमेंट को मजबूत किया है। तेज गेंदबाजी में अमनजोत कौर की जगह काशवी गौतम को शामिल किया गया है। स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी दीप्ति शर्मा, श्री चरनी और श्रेयंका पाटिल संभालेंगी।

टी20 सीरीज का शेड्यूल इस प्रकार है: पहला मैच 17 अप्रैल को डरबन में, दूसरा मैच 19 अप्रैल को वहीं, तीसरा

टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी

और चौथा मैच जोहान्सबर्ग में 22 और 25 अप्रैल को, और आखिरी मैच 27 अप्रैल को बेनोनी में खेला जाएगा। हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, क्रांति गौड़, श्री चरनी, श्रेयंका पाटिल, काशवी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा। इस स्क्वॉड में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन टीम को मजबूत बनाता है और टी 20 वर्ल्ड कप से पहले टीम के लिए एक महत्वपूर्ण तैयारी का मंच प्रदान करता है।

इस हफ्ते हॉलीवुड सिनेमाघरों में धमाल

रिलीज हो रही हैं हाई ऑक्टेन फिल्में

यूनिक समय, नई दिल्ली। इस हफ्ते हॉलीवुड में कई हाई-ऑक्टेन फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही हैं, जो दर्शकों को थ्रिल और मनोरंजन का पूरा डोज देंगी। प्रमुख फिल्मों में शामिल हैं 'दे विल किल यू', 'फॉर्बिडन फ्रूट', 'शी डांसेस', 'द एआई डॉक' और 'प्रोजेक्ट हेल मेरी'। 'दे विल किल यू' 27 मार्च 2026 को रिलीज होगी। यह एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें एक पूर्व कैदी महिला न्यूयॉर्क के रहस्यमय इलाके में हाउसहेल्प की नौकरी करती है और रहस्यमय घटनाओं का सामना करती है। जाजी बीट्ज, मायहाला, पैटरसन जोसेफ और टॉम फेल्टन मुख्य किरदार में हैं। 'फॉर्बिडन फ्रूट' भी 27 मार्च को रिलीज होगी। यह कॉमेडी-हॉरर फिल्म है, जिसमें तीन जादूगरनियां मिलकर अफरा-तफरी मचाती हैं। लिली रेनहार्ट, लोला टंग, विक्टोरिया पेड्रेटी और एम्मा चेम्बरलेन इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। 'शी डांसेस' में

पिता और बेटी के रिश्ते की कहानी दिखाई गई है। सिंगल पिता अपनी बेटी के साथ नृत्य प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने रिश्ते को सुधारने की कोशिश करता है। एथन हॉक और मैकेंजी जग्लिर मुख्य भूमिका में हैं। 'द एआई डॉक' डॉक्युमेंट्री फिल्म है, जिसमें डैनियल रोहर ऐसे समय में पिता बनने की कोशिश करते हैं जब एआई मानव जीवन पर हावी हो चुका है। सबसे ज्यादा प्रतीक्षित फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' है, जिसमें रायलैंड ग्रेस अंतरिक्ष में जागकर एलियन से दोस्ती करता है। रयान गोस्लिंग और सैंड्रा हुलर मुख्य भूमिका में हैं। यह हफ्ता हॉलीवुड प्रेमियों के लिए मनोरंजन और थ्रिल का पावर-पैक पैकेज लेकर आया है।

आईपीएल 2026 से बाहर हुए यश दयाल आरसीए को लगा बड़ा झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के आगाज से पहले आरसीए को बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज यश दयाल इस पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। टीम डायरेक्टर मो बोबाट ने पुष्टि की कि पर्सनल कारणों की वजह से यश दयाल इस सीजन आरसीए के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। इससे पहले टीम को जोश हेजलवुड के बाहर होने का झटका भी लगा था। यश दयाल ने पिछले सीजन आरसीए के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें उन्होंने कुल 13 विकेट अपने नाम किए थे। हाल ही में सोशल मीडिया पर आईपीएल 2026 के लिए आरसीए की टीम बस की तस्वीरें सामने आईं, जिनमें यश दयाल की तस्वीर शामिल नहीं थी। अब टीम को यश दयाल की जगह किसी नए खिलाड़ी को मौका देना होगा। आईपीएल 2026 का पहला मैच आरसीए और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीए इस सीजन अपना टाइटल डिफेंड करने के लिए मैदान में उतरेगी।

टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड को लगा बड़ा झटका, टॉम लैथम बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज का पांचवां मुकाबला 25 मार्च को खेला जाएगा। इस अहम मैच से पहले कीवी टीम को बड़ा झटका लगा है। टॉम लैथम चोट की वजह से इस निर्णायक मुकाबले से बाहर हो गए हैं। लैथम को यह चोट तीसरे टी20 मैच के दौरान लगी थी और इसी वजह से वह चौथे मैच में भी नहीं खेल पाए थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जानकारी दी कि टॉम लैथम के बाएं हाथ के अंगूठे में हल्का फ्रैक्चर है। स्कैन के बाद पता चला कि उन्हें अगले दो से तीन हफ्तों तक क्रिकेट से दूरी बनाए रखना पड़ेगा। लैथम के बाहर होने के बाद टॉम ब्लंडेल टीम के स्क्वॉड में कवर खिलाड़ी के रूप में शामिल रहेंगे। इस सीरीज में फिलहाल स्कोर 2–2 की बराबरी पर है। चौथे टी20 में जेम्स नीशम कप्तानी कर रहे थे क्योंकि नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर को आराम दिया गया था। पांचवें मैच में भी नीशम कप्तान रहेंगे, जबकि लैथम की गैरमौजूदगी ने न्यूजीलैंड टीम को रणनीति में बदलाव करने के लिए मजबूर कर दिया है।

सादगी से संपन्न हुई बादशाह और ईशा रिखी की शादी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सिंगर-रैपर बादशाह ने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। उनके जीवन में यह दूसरी शादी है, जो तलाक के छह साल बाद हुई। बादशाह ने पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी को अपना जीवनसाथी बनाया। शादी की जानकारी मुख्य रूप से पूनम रिखी के इंस्टाग्राम अकाउंट से सामने आई तस्वीरों और वीडियोज के जरिए मिली, जिसमें दोनों दूल्हा–दुल्हन के रूप में नजर आए।

बादशाह ओलिव ग्रीन कुर्ते और चूड़ीदार पजामे में दिखे, जबकि ईशा लाल रंग के सूट में थी। शादी बेहद सादगी से हुई, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी रही। दोनों ने सात फेरे लिए और एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए, उनमें दोनों परिवार के साथ मुस्कुराते और मंडप के सामने बैठे दिखाई दे रहे हैं। कुछ वीडियोज में दोनों मजाकिया अंदाज में वरमाला पहनाते भी नजर आए। इस खास मौके पर दोनों परिवारों ने आशीर्वाद दिया। पंडित के मंत्रों के बीच शादी संपन्न हुई। सोशल मीडिया पर इस शादी की झलक देखकर फैंस और जानकार इसे सादगी और अपनापन से भरी शादी बता रहे हैं। बादशाह की यह शादी उनके फैंस के लिए भी खास है क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने निजी जीवन को मीडिया से दूर रखा था।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 सीटें हमेशा रहेंगी खाली

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 सीटें हमेशा खाली रखने का फैसला किया है। यह निर्णय 4 जून 2025 को स्टेडियम में मची भगदड़ में जान गंवाने वाले 11 लोगों के सम्मान में लिया गया है। अब आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में इन सीटों पर कभी कोई नहीं बैठेगा। आरसीबी ने इस बार

4 जून 2025 को स्टेडियम में मची भगदड़ में जान गंवाने वालों के सम्मान में लिया गया निर्णय

स्टेडियम के गेट के पास इन 11 पीड़ितों की याद में स्मारक बनाने का भी फैसला किया है। 28 मार्च को आईपीएल 2026 के ओपनिंग मैच से पहले इसका अनावरण किया जाएगा। मैच के दिन पीड़ितों के नाम बड़ी स्क्रीन पर दिखाए जाएंगे और एक मिनट का मौन रखा जाएगा। इसके अलावा, आरसीबी के खिलाड़ी प्रैक्टिस सेशन के दौरान जर्सी नंबर 11 पहनकर श्रद्धांजलि देंगे। फ्रेंचाइजी ने कर्नाटक सरकार और प्रशासन के सहयोग से सभी मैचों के लिए सख्त एसओपी लागू किए हैं।

ओडीआई वर्ल्ड कप 2027

आईसीसी रैंकिंग से तय होंगी टीमें, साउथ अफ्रीका को मिली राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 अगले साल के अंत में खेला जाएगा और इसके लिए तैयारियां पहले से शुरू हो चुकी हैं। हालांकि अभी तक शेड्यूल और टीमों का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन आईसीसी वनडे रैंकिंग इस बार टीमों के क्वालीफिकेशन में अहम भूमिका निभाएगी। कुल 14 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी, जिनमें से आठ टीमों का चयन सीधे आईसीसी रैंकिंग के आधार पर होगा।

तीन देशों-साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया-में से साउथ अफ्रीका की टीम मौजूदा रैंकिंग में पांचवें नंबर पर है। मेजबान होने के कारण साउथ अफ्रीका को पहले ही विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि आईसीसी रैंकिंग में टॉप 9 में आने वाली टीमें डायरेक्ट प्रवेश पाएंगी। इस समय

बांग्लादेश नौवें और वेस्टइंडीज दसवें स्थान पर हैं। मार्च 2027 तक जो टीम टॉप 9 में होगी, वही डायरेक्ट क्वालीफाई करेगी। इसलिए फिलहाल बांग्लादेश को उम्मीद है, जबकि वेस्टइंडीज के लिए संभावना कम है। जिम्बाब्वे की टीम आईसीसी रैंकिंग में 11वें नंबर पर होने के बावजूद मेजबान होने के कारण सीधे विश्व कप में शामिल हो जाएगी। वहीं नामीबिया फुल आईसीसी मेंबर नहीं होने की वजह से सीधे प्रवेश नहीं पाएगी। उन्हें क्वालीफायर खेलकर विजेता बनना होगा, तभी वे विश्व कप में हिस्सा ले सकेंगे। इस तरह आईसीसी रैंकिंग और मेजबान देशों की स्थिति ने विश्व कप 2027 की टीमें तय करने की प्रक्रिया को रोमांचक बना दिया है। टीमों के लिए अभी से तैयारी और रैंकिंग में सुधार पर ध्यान देना जरूरी हो गया है। आगामी टूर्नामेंट में सीधे क्वालीफाई करने और क्वालीफायर में जगह बनाने की प्रतिस्पर्धा दर्शकों के लिए भी उत्साहजनक होगी। वनडे विश्व कप 2027 अगले साल के अंत में खेला जाएगा और इसके लिए तैयारियां पहले से शुरू हो चुकी हैं। हालांकि अभी तक शेड्यूल और टीमों का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन आईसीसी वनडे रैंकिंग इस बार टीमों के क्वालीफिकेशन में अहम भूमिका निभाएगी। कुल 14 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी, जिनमें से आठ टीमों का चयन सीधे आईसीसी रैंकिंग के आधार पर होगा। तीन देशों-साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया-में से साउथ अफ्रीका की टीम मौजूदा रैंकिंग में पांचवें नंबर पर है। मेजबान होने के कारण साउथ अफ्रीका को पहले ही विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि आईसीसी रैंकिंग में टॉप 9 में आने वाली टीमें डायरेक्ट प्रवेश पाएंगी। इस समय बांग्लादेश नौवें और वेस्टइंडीज दसवें स्थान पर हैं। मार्च 2027 तक जो टीम टॉप 9 में होगी, वही डायरेक्टर क्वालीफाई करेगी।

राकेश बेदी ने 'धुरंधर 2' में फिर दिखाई अपनी दमदार एक्टिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'धुरंधर द रिवेंज' में राकेश बेदी का प्रदर्शन सोशल मीडिया पर चर्चा में है। यह अनुभवी अभिनेता रणवीर सिंह और अर्जुन रामपाल को भी पीछे छोड़ते हुए दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। राकेश बेदी ने फिल्म में पाकिस्तानी नेता और भारतीय जासूस जमील जमाली का यादगार रोल निभाया है। 1979 से फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में सक्रिय राकेश बेदी ने 150 से अधिक फिल्मों और पॉपुलर शो में काम किया है। उन्हें टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बाबूलाल के किरदार के लिए भी जाना जाता है। बाबूलाल एक सिंधी बिजनेसमैन था, जिसके यहां तारक मेहता काम करता था। बेदी ने इस रोल में अपनी खास एक्टिंग और केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके अलावा, 12 साल पहले उन्होंने टीवी शो 'कुबूल है' में धुरंधर वातवडेकर का फनी रोल निभाया था। राकेश बेदी के अन्य प्रसिद्ध किरदारों में 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक' का भारतीय स्पाई, 'चश्मे बद्दूर' का ओमी, 'ये जो है जिंदगी' का राजा और 'श्रीमान श्रीमति' का दिलरुबा जरनैल सिंह खुराना शामिल हैं। इन भूमिकाओं ने उन्हें टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में विशेष पहचान दिलाई।

यूपी में गैस संकट गहराया, आम जनता बेहाल

लाइन में लगे युवक को हार्ट अटैक, कई शहरों में हंगामा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रसोई गैस की किल्लत अब गंभीर रूप लेती जा रही है। प्रदेश के कई जिलों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी–लंबी कतारें लगी हैं और लोगों को घंटों इंतजार के बावजूद सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। इसी बीच हापुड़ से एक चिंताजनक घटना सामने आई, जहां गैस सिलेंडर के लिए लाइन में लगे 35 वर्षीय युवक को अचानक हार्ट अटैक आ गया। युवक जमीन पर गिर पड़ा, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने उसे सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की और तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

दूसरी ओर उन्नाव में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। भैयाजी गैस एजेंसी के बिना सूचना बंद होने से नाराज लोगों ने कानपुर–लखनऊ हाईवे पर सिलेंडर रखकर जाम लगा दिया। कई घंटों तक यातायात बाधित रहा, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया और स्थिति को नियंत्रित किया। कानपुर में भी हालात बदतर बने हुए हैं। यहां गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से ही लंबी लाइनें लग रही हैं। लोगों का आरोप है कि बुकिंग और ओटीपी मिलने के बावजूद सिलेंडर नहीं दिया जा रहा। 55 वर्षीय महिला मुमताज ने बताया कि उन्हें कई दिनों से एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीमारी के बावजूद रोज आना–जाना पड़ रहा है और खर्च भी बढ़ता जा रहा है। उन्होंने चिंता जताई कि यदि यही स्थिति रही तो परिवार चलाना मुश्किल हो जाएगा। कई उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि गैस की कालाबाजारी हो रही है और अतिरिक्त पैसे देने वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं खानपान के व्यवसाय पर भी इसका असर दिखाई देने लगा है। कई दुकानदारों ने गैस की कमी के कारण अपने मेन्यू में कटौती कर दी है। हालांकि प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि प्रदेश में गैस की कोई कमी नहीं है और समस्या केवल घबराहट के कारण बढ़ी है, लेकिन जमीनी हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। पिछले करीब 15 दिनों से जारी यह संकट आम जनता के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है।

छात्रा की मौत पर मचा बवाल, विश्वविद्यालय में तोड़फोड़ और हंगामा

यूनिक समय, मेरठ। एक विश्वविद्यालय में छात्रा की संदिग्ध मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना के अगले ही दिन आक्रोशित छात्रों ने परिसर में जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और कई जगह तोड़फोड़ की। इस दौरान सिक्योरिटी ऑफिस को नुकसान पहुंचाया गया और परिसर में रखे गमले भी तोड़ दिए गए।

छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन आपात स्थिति से निपटने में पूरी तरह विफल रहा। उनका कहना है कि यदि समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होती, तो शायद छात्रा की जान बचाई जा सकती थी। इसी मुद्दे को लेकर छात्रों ने प्रशासन के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कई महत्वपूर्ण मांगें भी उठाईं। उन्होंने कहा कि परिसर में 24 घंटे एंबुलेंस की सुविधा सुनिश्चित की जाए, स्थायी डॉक्टर की नियुक्ति हो और छात्र–छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए। साथ ही, कैंपस में एक प्रभावी आपातकालीन मेडिकल सिस्टम विकसित करने की भी मांग की गई। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। शुरुआत में छात्र काफी आक्रोशित रहे, लेकिन पुलिस और प्रशासन के समझाने के बाद धीरे–धीरे स्थिति सामान्य हुई। फिलहाल परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और हालात पर नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि छात्रा का शव एक दिन पहले हॉस्टल के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कमरे को सील कर दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद छात्रा का अंतिम संस्कार सूरजकुंड पर किया गया। यह घटना एक बार फिर विश्वविद्यालयों में सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाओं की कमी पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

59 फर्जी फर्मों से 500 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा

यूनिक समय, लखनऊ। एसटीएफ की जांच में एक बड़े जीएसटी घोटाले का खुलासा हुआ है, जिसमें 59 बोगस फर्मों के जरिए 500 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी की गई। इस मामले में आरोपी केशवानी अब्बास हुसैन रमजान अली को गिरफ्तार किया गया है, जिसे गुजरात के भावनगर से पुणे में दबोचा गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने सहयोगी रईस के साथ मिलकर 'आराध्या इंटरप्राइजेज' नामक फर्म के जरिए ही करीब 100 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की। इसके बाद गहराई से जांच करने पर पता चला कि वह कुल 59 फर्जी फर्मों का संचालन कर रहा था, जिनका उपयोग बड़े पैमाने पर कर चोरी के लिए किया जा रहा था। ये सभी फर्में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, मुंबई और कर्नाटक जैसे विभिन्न राज्यों के पते पर रजिस्टर थीं, लेकिन वास्तविकता में उन पतों पर कोई कार्यालय मौजूद नहीं था।

खास बात यह है कि लखनऊ के पते पर रजिस्टर्ड फर्मों के बैंक खाते गुजरात के भावनगर में संचालित हो रहे थे। एसटीएफ के अनुसार, आरोपी गरीब और जरूरतमंद लोगों को लालच देकर उनके दस्तावेजों का इस्तेमाल करता था और उन्हीं के नाम पर फर्जी फर्में खोलकर बैंक खातों का नियंत्रण अपने पास रखता था। इस मामले में विभागीय अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि पंजीकरण प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरती गई। यदि समय पर सत्यापन किया जाता, तो इस तरह के बड़े घोटाले को रोका जा सकता था। फिलहाल एसटीएफ मामले की गहन जांच कर रही है और इसमें शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है।

एआई आधारित निवेश मित्र 3.0 लॉन्च

यूपी में निवेश को मिलेगा बढ़ावा

यूनिक समय, लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित लोक भवन में एआई–आधारित 'निवेश मित्र 3.0' पोर्टल का शुभारंभ किया। इस उन्नत सिंगल विंडो सिस्टम का उद्देश्य प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देना, उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाना और उत्तर प्रदेश को 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति देना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे निवेशक आसानी से अपने प्रोजेक्ट शुरू कर सकें। निवेश मित्र 3.0 पोर्टल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग कर प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी एवं तेज बनाया गया है। कार्यक्रम के दौरान मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग और ऑटोमोबाइल जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 85 कंपनियों को लेटर्स ऑफ कम्फर्ट, एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट और भूमि आवंटन पत्र वितरित किए गए। साथ ही करीब 2,781 करोड़ रुपये की सब्सिडी भी प्रदान की गई। इसके अलावा, डीबीएफओटी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित 'प्लग-एंड-प्ले' इंडस्ट्रियल शेड्स योजना की भी शुरुआत की गई, जिससे निवेशक तुरंत उत्पादन शुरू कर सकेंगे। कार्यक्रम में राज्य के कई वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे। यह पहल उत्तर प्रदेश को औद्योगिक विकास की दिशा में एक मजबूत और आधुनिक पहचान दिलाने की ओर महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

शाहजहांपुर में शहीदों की प्रतिमाएं टूटीं, फैला जनआक्रोश

यूनिक समय, शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में नगर निगम परिसर में स्थापित काकोरी कांड के अमर बलिदानियों की प्रतिमाएं हटाने के दौरान बुलडोजर से क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे शहरभर में आक्रोश फैल गया। घटना निर्माण एजेंसी की लापरवाही का परिणाम बताई जा रही है, जिसने बिना पूर्व सूचना के रात में प्रतिमाएं हटाने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, नगर निगम क्षेत्र में स्मार्ट रोड परियोजना के तहत सौंदर्यीकरण कार्य चल रहा है। इसी के तहत पुरानी प्रतिमाओं को हटाकर नई प्रतिमाएं स्थापित की जानी थीं। इसके लिए लगभग 40 लाख रुपये का ठेका दिया गया था। लेकिन संबंधित ठेकेदार ने अधिकारियों को सूचित किए बिना ही बुलडोजर से प्रतिमाएं हटानी शुरू कर दीं, जिससे वे टूट गईं।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों में नाराजगी फैल गई। सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव अनीत कुमार त्रिवेदी ने इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जिन शहीदों ने देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनकी प्रतिमाओं के साथ इस प्रकार की लापरवाही अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

सोशल मीडिया पर भी इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें टूटी प्रतिमाएं डंपिंग ग्राउंड में पड़ी दिखाई दे रही हैं। इस मामले में अखिलेश यादव ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना को घोर निंदनीय बताते हुए कहा कि सौंदर्यीकरण के नाम पर शहीदों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच के संकेत दिए हैं और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की बात कही है।

लखनऊ के अमौसी के मुख्य अभियंता निलंबित, जांच तेज

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के अमौसी जोन में तैनात रहे तत्कालीन मुख्य अभियंता महफूज आलम को लापरवाही और फर्जीवाड़े के मामलों में कार्रवाई न करने के कारण निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर की गई। निलंबन के बाद उन्हें आगरा स्थित दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है और उनके खिलाफ उच्च स्तरीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

बताया जा रहा है कि अमौसी क्षेत्र में बिजली कनेक्शन देने में अनियमितताओं और फर्जी जांच रिपोर्ट तैयार करने के मामलों को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। इन मामलों को लेकर कार्रवाई न करने पर मुख्य अभियंता की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके अलावा मेमोरा एयरफोर्स स्टेशन की बिजली आपूर्ति बहाल करने में भी लापरवाही बरतने का आरोप है, जिससे विभाग की साख को नुकसान पहुंचा। साथ ही, झटपट पोर्टल पर बिना ठोस कारण बताए करीब 1000 आवेदनों को निरस्त करने और अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण न रखने के आरोप भी लगाए गए हैं।

मीडिया की लगातार मुहिम के बाद इस मामले में अब तक कुल आठ अभियंताओं को निलंबित किया जा चुका है, जिनमें जूनियर इंजीनियर, उपखंड अधिकारी और अधिशासी अभियंता शामिल हैं। इसके साथ ही 52 कर्मचारियों का तबादला भी किया गया है। इस कार्रवाई को विभाग में जवाबदेही तय करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

सार संक्षेप

नासिक के फर्जी बाबा अशोक खरात के प्रकरण में बड़ा खुलासा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नासिक के फर्जी बाबा अशोक खरात के प्रकरण में बड़ा खुलासा हुआ है। 2020-22 के बीच संस्थान घाटे में था, लेकिन 2024 में भारी दान मिलने के बाद संपत्ति 1 करोड़ 81 लाख रुपये तक पहुंच गई। बैंक में 23.35 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट भी दर्ज है। अब जांच एजेंसियां दान के स्रोत की तलाश कर रही हैं। अशोक खरात की पुलिस रिमांड आज खत्म हो रही है और एसआईटी उसे नासिक जिला कोर्ट में पेश करेगी। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मामले की जांच सही ट्रैक पर है।

टेक्सास रिफाइनरी में भयंकर विस्फोट

यूनिक समय, नई दिल्ली। टेक्सास की वैलेरो तेल रिफाइनरी में बड़ा विस्फोट हुआ, सैकड़ों फुट उंची आग और धुएं की लपटें उठीं। विस्फोट के कारण आसपास के घरों की खिड़कियां हिल गईं। पोर्ट आर्थर के निवासियों को घरों में रहने के निर्देश दिए गए। रिफाइनरी में करीब 770 कर्मचारी काम करते हैं और यह रोजाना 4,35,000 बैरल तेल प्रोसेस करती है। मेयर शार्लोट एम. मोसेस ने कहा कि दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे हैं और कोई घायल नहीं हुआ।

भारतीय रेलवे ने बदले टिकट कैंसिलेशन के नियम

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कन्फर्म टिकट कैंसिल करने के नियम बदल दिए हैं। अब रिफंड ट्रेन के चलने से पहले बचे समय के आधार पर तय होगा। यदि टिकट 72 घंटे पहले कैंसिल किया गया तो अधिकतम रिफंड मिलेगा, 72–24 घंटे में 25 प्रतिशत कटेगा, 24-8 घंटे में 50 प्रतिशत और 8 घंटे से कम समय में कोई रिफंड नहीं। यात्रियों को अब बोर्डिंग स्टेशन बदलने की सुविधा भी मिलेगी। नए नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच चरणबद्ध लागू होंगे।

ईरान की दो एनर्जी साइटों पर हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान की दो ऊर्जा संयंत्रों पर हवाई हमले की खबर सामने आई है। एक हमले में इस्फहान का प्राकृतिक गैस इंफ्रास्ट्रक्चर और दूसरे में खोर्रमशहर बिजली संयंत्र की गैस पाइपलाइन को निशाना बनाया गया। अमेरिका या इजराइल ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट खोलने का 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। ईरान ने ट्रंप के दावों को खारिज करते हुए कहा कि कोई बातचीत नहीं हुई।

नेतन्याहू ने कहा ईरान-लेबनान पर हमले जारी रहेंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान और लेबनान पर हमले जारी रहेंगे। वे मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम को कुचलने के साथ हिज्बुल्लाह पर भी प्रहार कर रहे हैं। कुछ दिन पहले दो परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने की समय सीमा पांच दिन बढ़ाई, लेकिन ईरान ने किसी भी बातचीत से इनकार किया।

पश्चिम एशिया संकट: राज्यसभा में पीएम मोदी बोले

लंबे समय तक रह सकते हैं युद्ध के दुष्प्रभाव, भारत सतर्क

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के हालात पर विस्तार से जानकारी दी और भारत के रुख को स्पष्ट किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह युद्ध पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है और इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और खाद्य आपूर्ति प्रभावित हो रही है। भारत ने युद्ध प्रभावित सभी देशों से संपर्क किया है और शांति स्थापित करने के लिए सभी पक्षों से संवाद का आह्वान किया है। पीएम मोदी ने बताया कि भारत ने ईरान, इजरायल और अमेरिका सहित कई देशों के साथ बातचीत की है। उन्होंने कहा कि हर चुनौती के लिए देशवासियों को तैयार रहना होगा क्योंकि युद्ध के दुष्प्रभाव लंबे समय तक रह सकते हैं। सरकार सतर्क है और गंभीरता से रणनीति बना रही है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो राउंड की बातचीत हो चुकी है। हॉर्मुज स्ट्रेट में दुनिया के कई जहाज फंसे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में भारतीय क्रू मेंबर्स भी हैं। इसके चलते तेल, गैस और उर्वरक की सप्लाई बनी रहे, यह भारत के लिए बड़ी प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा संकट को गंभीर रूप दिया है और भारत के व्यापार मार्ग प्रभावित हुए हैं। खाड़ी देशों में रह रहे करीब 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा और आजीविका भी सरकार की चिंता का केंद्र है। प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों से अपील की कि प्रवासी मजदूरों का खास ख्याल रखा जाए और योजनाओं का लाभ सीधे उनके तक पहुंचे। सरकार घरेलू गैस की सप्लाई को एलपीजी और पीएनजी दोनों माध्यमों से सुनिश्चित करने पर जोर दे रही है, ताकि किसी एक स्रोत पर निर्भरता कम हो। इस तरह, भारत युद्ध और उसके दुष्प्रभावों से निपटने के लिए पूरी तैयारी और सतर्कता के साथ काम कर रहा है।

मिडिल ईस्ट युद्ध के बीच राजनाथ सिंह की हाई लेवल बैठक, तीनों सेनाओं के प्रमुख रहे मौजूद

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में तनाव के हालात के बीच दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख, रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और सुरक्षा से जुड़े विभागों के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक का उद्देश्य भारत की रक्षा तैयारियों का आकलन करना और युद्ध की वजह से बदलते अंतरराष्ट्रीय हालात के बीच रणनीति तय करना था।

बैठक में मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों, सीमा सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, एयर डिफेंस और ऑपरेशनल रेडीनेस जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। रक्षा मंत्री ने साफ किया कि भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी स्थिति का सामना करने की क्षमता रखता है। सभी सेनाओं को सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए।

बैठक में युद्ध के संभावित दुष्प्रभाव और भारत में सुरक्षा को लेकर उठाए जाने वाले कदमों पर भी विचार विमर्श किया गया। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब वैश्विक सुरक्षा हालात तेजी से बदल रहे हैं। बैठक के दौरान भारत की सैन्य तैयारियों और रणनीतिक फैसलों पर विशेष ध्यान दिया गया, ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति का सामना

दिल्ली पुलिस ने पकड़ा पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का सदस्य

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और रामपुर के 18 वर्षीय हरमनदीप सिंह उर्फ हरमन को गिरफ्तार किया। उसके पास से पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के साथ चैट, फोटो-वीडियो और 'टीटीएच' लिखा काला स्प्रे पेंट बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि हरमन ने पंजाब के होशियारपुर में तीन जगह 'टीटीएच' ग्रैफिटी किया और इसका वीडियो पाकिस्तान भेजा। आरोपी सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को पैसे और विदेश भेजने का लालच देकर भर्ती करता था। हरमन और उसके साथी दिल्ली के कश्मीरी गेट पर हुई गोलीबारी में शामिल था। रामपुर में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड अटैक की साजिश भी बनाई जा रही थी, जिसे गिरफ्तारी से पहले नाकाम कर दिया गया।

रेखा गुप्ता ने पेश किया दिल्ली का बजट हर वर्ग के लिए खास प्रावधान

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली की सीएम और वित्त मंत्री रेखा गुप्ता ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जिसे उन्होंने 'हरित बजट' करार दिया। इस बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, जल आपूर्ति और सामाजिक कल्याण सहित सभी वर्गों के लिए प्रावधान किए गए हैं।

शिक्षा विभाग के लिए 19,326 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनमें नए स्कूल भवन निर्माण और विस्तार के लिए विशेष राशि रखी गई है। कक्षा 9 की लगभग 1.3 लाख छात्राओं को निःशुल्क साइकिल और मेधावी छात्रों को लैपटॉप उपलब्ध कराए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के लिए 12,645 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है, जिसमें जन आरोग्य योजना और नवजात शिशुओं के लिए 'अनमोल' योजना शामिल हैं।

परिवहन विभाग के लिए 8,374 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें दिल्ली में 7,500 नई बसों में से 5,800 इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। जल आपूर्ति और स्वच्छता के लिए 9,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे नल के पानी की उपलब्धता और पाइपलाइन नेटवर्क में सुधार होगा। सामाजिक कल्याण और महिलाओं/ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए 'दुर्गा' योजना और "दिल्ली लखपति बिटिया योजना" शामिल हैं। पर्यावरण और वनों के लिए बजट 822 करोड़ रुपये किया गया है। कुल बजट में 21.44 प्रतिशत राशि हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण पर खर्च की जाएगी।

भारत की विदेश नीति अब पीएम मोदी की निजी विदेश नीति बनी : राहुल गांधी

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया संकट और भारत की विदेश नीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति अब पीएम मोदी की निजी विदेश नीति बन गई है और पूरी दुनिया इसे मजाक मानती है। राहुल ने चेतावनी दी कि अगर प्रधानमंत्री पर किसी तरह का दबाव पड़े, तो देश की विदेश नीति भी प्रभावित होती है।

राहुल ने संसद में पीएम मोदी के हालिया भाषण को अप्रासंगिक बताया और कहा कि इसमें भारत के स्पष्ट रुख की कमी थी। उन्होंने बताया कि इस स्थिति का असर आम जनता पर पड़ रहा है, जैसे एलपीजी और पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी।

राहुल ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी अमेरिका और इजराइल के अनुसार काम करते हैं और देश व किसानों के हित में निर्णायक कदम नहीं उठाते। इसके अलावा राहुल ने सरकार पर किसानों और आम जनता के हितों की अनदेखी करने का भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विदेशी दबावों के कारण भारत की विदेश नीति सही दिशा में नहीं जा रही है।

लोकसभा में सीटें बढ़ेंगी, महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तय

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाकर 543 से 816 करने का प्रस्ताव लाई है। इसमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, यानी कुल सीटों का 33 प्रतिशत हिस्सा। सरकार 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन करेगी और मौजूदा सत्र में संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। राज्यवार सीटों की बढ़ोतरी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 80 से 120, बिहार में 40 से 60, पश्चिम बंगाल में 42 से 63, तमिलनाडु में 39 से 59 और महाराष्ट्र में 48 से 72 सीटें होंगी। कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, ओडिशा और झारखंड में भी सीटें बढ़ेंगी। यह प्रस्ताव अनुपात के हिसाब से राज्यों को बढ़ी हुई प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगा।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: धर्मांतरण पर खत्म होगा अनुसूचित जाति का दर्जा

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाता और उसका पालन करता है, तो वह अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं रह सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कॉन्स्टिट्यूशन (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के खंड 3 के तहत यह प्रतिबंध पूर्णतः लागू होता है और इसमें कोई अपवाद नहीं है।

इस आदेश का संदर्भ उस व्यक्ति से जुड़ा है जिसने ईसाई धर्म अपना लिया था और पादरी के रूप में कार्य कर रहा था। उसने एससीएसटी एक्ट के तहत संरक्षण का दावा किया, लेकिन आरोपियों ने इसे चुनौती दी, क्योंकि धर्म परिवर्तन के बाद वह अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं रह सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे व्यक्ति को किसी भी आरक्षण, अधिकार या वैधानिक लाभ का दावा करने का अधिकार नहीं है। इस फैसले से यह साफ हो गया कि अनुसूचित जाति का दर्जा केवल उन धर्मों तक सीमित है जो खंड 3 में शामिल हैं।

दो पक्षों में संपत्ति को लेकर थाने में चले चाकू, 13 गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के चंदका थाना परिसर में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई, जिसमें चाकूबाजी तक हो गई। पुलिस की मौजूदगी में ही एक आरोपी ने दूसरे व्यक्ति पर ताबड़तोड़ वार किया। घटना के बाद थाना परिसर खून से लथपथ हो गया और घायल लोग पुलिस के सामने ही भिड़ते नजर आए।

जानकारी के अनुसार, विवाद एक ही परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति को लेकर चल रहा था। सड़क किनारे स्थित पांथिका होटल के मालिक की दो पत्नियों और उनके बच्चों के बीच यह झगड़ा लंबे समय से चला आ रहा था। समाधान के लिए दोनों पक्ष थाने पहुंचे, लेकिन बातचीत के दौरान मामला बिगड़ गया। जोरदार कहासुनी के बाद मारपीट और चाकूबाजी शुरू हो गई। इस खूनी संघर्ष में दो महिलाएं और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हुए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया।

आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घटना के सामने आने के बाद थाना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस फिलहाल पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

यमुना को बचाने निकली आस्था की जन–जागरण यात्रा

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यमुना महारानी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए मंगलवार को जन–जागरण शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री माथुर चतुर्वेदी परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने विधि–विधान से यमुना पूजन के साथ किया। इसमें श्रद्धालुओं ने यमुना मैया को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। सायं निकाली गई शोभायात्रा में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और शैक्षिक संस्थाओं के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। यात्रा के दौरान "यमुना जी को स्वच्छ बनाओ" जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। शोभा यात्रा में घुड़सवार और भगवान श्री गणेश की आकर्षक झांकी निकल रही थी साथ ही यमुना प्रदूषण को दर्शाती झांकी, श्रीनाथजी की मनमोहक झांकी और बैंड की मधुर धुनों के साथ पुष्पों से सुसज्जित यमुना महारानी का डोला

यमुना छठ पर यमुना महारानी का दुग्धाभिषेक करते श्री माथुर चतुर्वेदी परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक एवं महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट आदि।

चल रहा था। जगह–जगह लोगो ने शोभायात्रा का स्वागत किया। यमुना महारानी को प्रदूषण से मुक्ति के लिए विभिन्न संगठनों एवं कोटवन के संत जगतगुरु मौनी बाबा माधव दास महाराज, ब्रज तीर्थ देवालय न्यास और आचार्य बद्रीश सहित अनेक संगठनों का समर्थन मिला। श्री पाठक ने कहा कि यमुना को प्रदूषण मुक्त कराने का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और पूरे ब्रजमडल को साथ लेकर ठास योजना बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से इस अभियान को जन–आंदोलन का रूप दिया जाएगा। परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि जन–जागरण के दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों से सकारात्मक समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि लोगों की भावनाएं यमुना की शुद्धता से जुड़ी हैं। शोभा यात्रा में

यमुना प्रदूषण मुक्ति को लेकर निकाली जन–जागरण शोभायात्रा

पूजा–अर्चना के साथ लिया स्वच्छता का संकल्प, संगठनों ने दिया व्यापक समर्थन

गोकुल से पंकज बाबा, संरक्षक गिरधारी लाल पाठक, पंकज चतुर्वेदी, उमाकांत चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष शिवकुमार चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी (एल्पाइन), कोषाध्यक्ष कमल चतुर्वेदी, मंत्री अमित चतुर्वेदी, नीरज चतुर्वेदी, अमित पाठक, अनिल चतुर्वेदी, पमपम, नवनीत चतुर्वेदी, गोपाल भर, गोपाल पाठक, सोनू पंडित, वृंदावन से मृदुल कांत शास्त्री और बरसाना से सुनील चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

एसआई सत्येंद्र सिंह का सम्मान

उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह को सम्मानित करते हुए संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित, यादव महासभा प्रदेश महिला अध्यक्ष मीना यादव एवं अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। बृज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति के बैनर तले आयोजित सम्मान समारोह में गत दिनों बरेली–जयपुर एक्सप्रेस वे पर मथुरा क्षेत्र अंतर्गत स्कूल की एक बस में लगी आग की लपटों से स्कूली बच्चों को बचाने वाले उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह का सम्मान किया गया। ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जन जागरूकता समिति उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने सत्येंद्र सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा महिला की प्रदेश अध्यक्ष मीना यादव ने कहा कि सत्येंद्र सिंह के इस साहसिक कार्य से समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में चंद्र मोहन दीक्षित, दीपक सारस्वत, नरेंद्र दीक्षित, धर्मवीर सिंह, मनीष शर्मा, रमन यादव, पुष्पेंद्र चाहर तथा लोकेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

सौंख–कुम्हेर मार्ग पर बनेगा भव्य प्रवेश द्वार

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी और धार्मिक स्थलों को बेहतर पहचान और आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। सौंख–कुम्हेर मार्ग पर दो लेन के भव्य प्रवेश द्वार (गेट) के निर्माण और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। इससे क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के साथ–साथ यातायात व्यवस्था भी बेहतर होने की उम्मीद है। मिली जानकारी के अनुसार, इस परियोजना की स्वीकृत लागत लगभग 161.68 लाख रुपये है। इसमें से अब तक करीब 81.60 लाख रुपये आवंटित किए जा चुके हैं। 25 लाख रुपये की अतिरिक्त धनराशि जारी की गई है, जिससे निर्माण कार्य को गति मिलेगी। यह परियोजना विशेष रूप से क्षेत्र के धार्मिक और पर्यटन महत्व को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। प्रस्तावित प्रवेश द्वार न केवल सौंख–कुम्हेर मार्ग की पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को एक आकर्षक व व्यवस्थित प्रवेश अनुभव भी प्रदान करेगा। साथ ही मार्ग पर आधुनिक प्रकाश व्यवस्था विकसित की जाएगी, जिससे रात्रि के समय आवागमन अधिक सुरक्षित रहे। जिले में धार्मिक स्थलों को मुख्य मार्गों से जोड़ने और उनके आसपास बुनियादी सुविधाओं के विकास की दिशा में यह योजना एक अहम कड़ी साबित हो सकती है। इससे जिले के पर्यटन और धार्मिक महत्व को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

शातिर चोर गिरफ्तार, दो मोबाइल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस मथुरा जंक्शन ने रेलवे स्टेशन के गेट नंबर तीन के समीप सीमेंट की बैंच के निकट से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो चोरी के मोबाइल बरामद किए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक जीआरपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक प्रवेद्र कुमार, उप निरीक्षक रेनू, उप निरीक्षक सुरजीत चंदेल पुलिस टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। पुलिस टीम ने गेट संख्या तीन के समीप लगी बैंच पर बैठे एक संदिग्ध युवक की तलाशी की तो उसके कब्जे से पुलिस को दो चोरी के मोबाइल मिले। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त मौहम्मद असलम निवासी सिद्धार्थ नगर, लक्ष्मीनगर थाना यमुनापार है। पुलिस को उसने बताया कि वह रेलवे स्टेशन और ट्रेन में यात्रियों के मोबाइल चोरी कर अपना खर्चा करता है।

टिकट जांच अभियान में 423 अनधिकृत यात्रियों से 2,30,590 रुपए का वसूला जुर्माना

यूनिक समय, आगरा। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के निर्देशानुसार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन, मंडल वाणिज्य प्रबंधक बीरेंद्र सिंह चौहान और सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग संजय गौतम के सुपरविजन में आगरा छावनी जंक्शन पर बिना टिकट/अनियमित यात्रा/बिना बुक सामान ले जाने वाले एवं रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले यात्रियों के विरुद्ध किलेबंदी टिकट जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान में मंडल वाणिज्य निरीक्षक टिकट चेकिंग आरके सिंह के अतिरिक्त मुख्य टिकट निरीक्षक/स्टेशन ए के सिंह, हरती मीना सीटीआई /डिटेल तथा एच के वर्मा सीटीआई सहित अन्य टिकट चेकिंग स्टाफ मौजूद रहा। जांच के दौरान अनियमित यात्रियों में हड़कंप मचा रहा। जांच अभियान में 197 बिना टिकट यात्रियों से 1,27,080 रुपए तथा 226 अनियमित यात्रियों से 1,03,510 रुपए जुर्माने सहित कुल 423 यात्रियों से 2,30,590 रु का जुर्माना वसूल किया। जन संपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि मंडल में इस प्रकार की जांच निरंतर कराई जा रही हैं।

यमुना छठ पर निकाली मंगल कलश शोभायात्रा

यमुना छठ पर निकाली गई शोभायात्रा में शामिल भक्त।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण–जन्मस्थान सेवा–संस्थान के तत्वावधान में यमुना षष्ठी पर मंगल कलश शोभायात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो गया। श्री यमुना महारानी के पूजन को निकाली गयी शोभायात्रा हेतु मंगलवार को सुबह से ही श्रीकृष्ण–जन्मस्थान परिसर में विशेष उत्सव का माहौल रहा। प्रातः लगभग 9:00 बजे गाजे–बाजे के साथ यमुना पूजन हेतु एक भव्य मंगल कलशयात्रा श्रीकृष्ण जन्मस्थान प्रांगण में स्थित श्रीकेशवदेवजी मंदिर से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में ध्वज–पताकाएं लेकर चल रहे भक्त, बैण्ड–बाजे के संगीत के मध्य मंगल कलश व पूजन सामग्री लिए एवं मांगलिक परिधान धारण किये महिलायें तथा उद्दाम संकीर्तन करते हुए साधु–संतजन एवं मां यमुना महारानी की झांकी ने संपूर्ण शोभायात्रा मार्ग को श्रीकृष्ण एवं श्रीयमुनाजी के प्रेम में सराबोर कर दिया। विश्राम घाट पर पहुँचने पर बैण्ड–बाजों की ध्वनि में भावविभोर होकर भक्तजन यमुना की भक्ति में लीन होकर नृत्य कर उठे। विश्राम घाट पर विद्वान पण्डितों ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा–संस्थान के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, उप प्रबन्धक अनुराग पाठक, श्रीकृष्ण संकीर्तन मंडल के सभी भक्तजन आदि को पूजन से पूर्व 'अविरल यमुना–निर्मल यमुना' का संकल्प कराया।

बच्चों के एडमिशन को लेकर अच्छे स्कूलों की तलाश

एडमिशन फीस और वार्षिक फीस को सुनकर हैरान हैं अभिभावक

किताबें बदलने को लेकर परेशान हैं अनेक लोग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एक अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है। बच्चों का एडमिशन कराने के लिए अभिवाभक अच्छे स्कूल देख रहे हैं। एडमिशन फीस, वार्षिक फीस समेत अन्य स्कूलों के बारे में भी जानकारी ले रहे हैं। सबसे बड़ी दिक्कत एक–दो किताब या पाठ बदलने की निजी स्कूल और पब्लिशर्स की मनमानी अभिभावकों की जेब पर भारी पड़ रही है। यह बदलाव अभिभावकों को किताबों का नया सेट खरीदने पर मजबूर कर देता है। इससे पब्लिशर्स की लाखों की कमाई हो जाती है। पुरानी किताबों को रद्दी बना दिया जाता है। हर साल यह आर्थिक बोझ अभिभावकों को झेलना पड़ता है।

कुछ निजी स्कूल हर साल सभी किताब बदल रहे हैं। एक अप्रैल से स्कूलों में नए सत्र की पढ़ाई शुरू होने जा रही है। इससे पहले किताब बेचने का खेल शुरू हो चुका है। इसकी तैयारी निजी स्कूल संचालक और पब्लिशर्स कर चुके हैं। नर्सरी से कक्षा आठ तक पुरानी किताबों को बदल दिया जाता है और सूची अभिभावकों को थमा दी जाती है। इसके साथ पुस्तक बेचने वाली दुकान का नाम और पता भी बता दिया जाता है। अब उसी दुकान से किताबें खरीदना मजबूरी है दूसरे स्थान पर ये किताबें नहीं मिलेंगी। कोई बच्चा पुरानी किताबों का प्रयोग करना चाहे, तो नहीं कर सकता है। पुराने किताब सेट में एक या दो पुस्तक बदल दी जाती है। पुस्तक विक्रेता बदली किताबों को अलग से देते भी नहीं है, वह सेट के साथ ही मिलेंगी। प्राइवेट पब्लिशर्स को नई किताब बेचे जाने पर फायदा होता है।

किसी भी कक्षा की एक या दो किताब बदलने से कोर्स पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। निजी स्कूल और पब्लिशर्स जानबूझकर गणित या साइंस विषय की किताब बदलते हैं। जबकि गणित के सवालों के हल का फार्मूला एक जैसा होता है, सिर्फ सवालों के अंक बदल जाते है। बढ़ती महंगाई के बीच अभिभावक इतने अधिक परेशान दिखाई दे रहे हैं कि आखिर बच्चों के कैसे पढ़ाएं। महंगाई के कारण जेब पहले से ढीली हैं। अगले माह बच्चों का स्कूलों में प्रवेश ही और वजन बढ़ा देगा।

वैष्णव ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह धूमधाम से संपन्न

वैष्णव ब्राह्मण समाज के होली मिलन समारोह में पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। श्री वृंदावन धाम सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में वैष्णव ब्राह्मण (च.स.) समाज द्वारा होली मिलन समारोह स्थानीय होटल नेशनल चेंबर ऑफ कॉमर्स में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराज विष्णु स्वामी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन में स्वामी जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, गरीबी एवं चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए एकजुटता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए शिक्षा, संस्कार और सहयोग आवश्यक हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा ने समाज को संगठित होकर एकता और सामाजिक भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया।

महामंडलेश्वर नवल जी महाराज ने भी समाज के विकास कार्यों में सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में होली के गीत–संगीत का सभी ने आनंद लिया तथा बुजुर्गों का सम्मान किया गया। विभिन्न राज्यों से आए वैष्णव बंधुओं की उपस्थिति रही। अंत में आयोजकों ने सभी का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम को सफल बताया।